Youth India News Group

फर्रुखाबाद से प्रकाशित

गुरुवार | 12 नबम्बर 2026

मूल्य 2.00 रुपये

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

वर्षः 22 | अंकः 211 पृष्ठः 08

आरएनआई नं.: UPHIN/2005/17816

डाक पंजीयन सं.- L-6/RNP-FTC002/2010

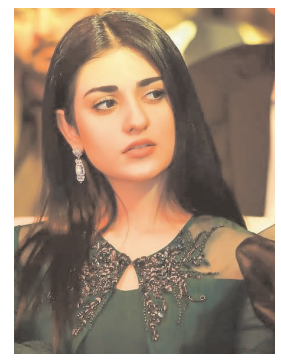

2 संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की.....

4 तर्क और विज्ञान के युग में.....

8 सड़क किनारे मिला 35 वर्षीय.....

तापमान मीटर

लखनऊ	18°	30°
नई दिल्ली	17°	29°
मुंबई	28°	37°
कोलकाता	22°	32°
चेन्नई	26°	32°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 81986.01
निफ्टी 25275.65

सर्राफा बाजार

सोना 1,44,155.00 रुपए प्रति दस ग्राम
चांदी 2,00,000.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

पांच प्रतिशत पर सिमट जाएगी सपाः ब्रजेश पाठक

लखनऊ। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में सपा की स्थिति बेहद कमजोर रहने वाली है।

जहरीली हवा ने तोड़ा तीन साल का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। जहरीली हवा ने पिछले तीन साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दिवाली के दौरान पटाखों से निकले धुएं और प्लास्टिक जलने के कारण दिल्ली की आबोहवा पर और बुरा असर पड़ा है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने लोगों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं भी बढ़ा दी हैं।

ओवैसी-चंद्रशेखर का गठबंधन

लखनऊ। प्रदेश की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एक नए गठबंधन की एंट्री हो गई है। सांसद चंद्रशेखर आजाद और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने हाथ मिलाते हुए नए राजनीतिक गठबंधन का एलान किया है। इस गठबंधन को 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' नाम दिया गया है। इसे प्रदेश की राजनीति में नए समीकरण के रूप में देखा जा रहा है।

आप की पहली सूची के बाद कांग्रेस में बढ़ी हलचल



चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। आम आदमी पार्टी की ओर से उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के बाद अब कांग्रेस ने भी अपनी चुनावी तैयारियों को गति दे दी है। पार्टी में प्रत्याशियों के चयन को लेकर हलचल बढ़ गई है।

प्रधानमंत्री ने सुनाए पुराने किस्से

ऐसे कार्यक्रमों में लगवाता था कुर्सियां, याद किया शुरुआती दिनों का संघर्षः पीएम मोदी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित दिवाली मिलन समारोह में मीडियाकर्मियों को दिवाली और छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों के साथ अपने पुराने संबंधों और राजनीतिक जीवन के शुरुआती दिनों से जुड़े कई दिलचस्प किस्से साझा किए। पीएम मोदी ने कहा कि मीडिया के साथ उनका जुड़ाव काफी पुराना रहा है और समय के साथ मीडिया की दुनिया में बड़े बदलाव आए हैं।

समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने अपने शुरुआती राजनीतिक दिनों को याद करते हुए बताया कि उस समय पार्टी संगठन में उन्हें कई छोटी-बड़ी जिम्मेदारियां निभानी पड़ती थीं। इनमें प्रेस विज्ञप्तियां तैयार करवाना और मीडिया तक पहुंचाना भी शामिल था। इतना ही नहीं, भाजपा कार्यालय में आयोजित दिवाली मिलन समारोह के दौरान कुर्सियों का इंतजाम करने जैसी जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी जाती थी।

पीएम मोदी ने पुराने दिनों का एक और किस्सा सुनाते हुए बताया कि किस तरह पार्टी के कार्यक्रमों में व्यवस्थाएं संभालने के साथ उन्हें लोगों से संपर्क बनाए रखना पड़ता था। उन्होंने पत्रकारों के साथ अपने अनुभव साझा किए और बताया कि शुरुआती दौर में मीडिया से जुड़कर काम करने का उनका अनुभव काफी अलग था। उन्होंने बदलते समय के साथ पत्रकारिता के स्वरूप में आए बदलावों का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर मीडियाकर्मियों के योगदान की सराहना की और त्योहारों के दौरान समाज को जोड़ने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। दिवाली मिलन समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और बड़ी संख्या में पत्रकारों की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी का पुराना अंदाज देखने को मिला, जब उन्होंने अपने राजनीतिक सफर से जुड़े अनुभवों को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा किया।

कुलगाम आतंकी हमलाः आतंकियों ने बदली रणनीति, मुठभेड़ के बजाय 'हमला करो और भाग जाओ' का तरीका अपना रहे दहशतगर्द

यूथ इंडिया, कुलगाम



जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। हाल के दिनों में आतंकियों ने सुरक्षाबलों के साथ सीधे मुठभेड़ में उलझने के बजाय हमला करके मौके से फरार होने का तरीका अपनाया है। इसे आतंकियों की बदलती रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। कुलगाम में बुधवार को हुए हमले के बाद भी आतंकी मौके से फरार हो गए।

जानकारी के मुताबिक, हाल के दिनों में ईंट भट्ठे पर एक श्रमिक की हत्या और अनंतनाग में पुलिसकर्मी पर हमले जैसी घटनाओं में भी इसी तरह का तरीका सामने आया है। इन घटनाओं में हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से भाग निकले। इससे सुरक्षा एजेंसियों के सामने आतंकियों की पहचान और उन्हें पकड़ने की चुनौती बढ़ गई है।

बुधवार को कुलगाम में हुए हमले के बाद सामने आए सीसीटीवी फुटेज में 18 से अधिक गोलियों की आवाज सुनाई देने की बात कही गई है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां हमले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही हैं, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके।

लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ संवेदनशील इलाकों में निगरानी मजबूत कर रही हैं। कुलगाम हमले के आरोपियों की तलाश और घटना की जांच जारी है।

सीएनएच ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी

'बुलडोजर अब यूपी का ब्रांड', यहां बनेंगे तो दुनिया में बढ़ेगी मांगः सीएम योगी

यूथ इंडिया, लखनऊ

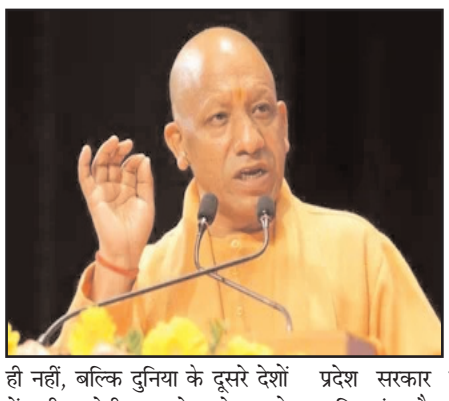

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएनएच ग्राउंडब्रेकिंग सेरेमनी को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था और निवेश के अनुकूल माहौल के कारण उत्तर प्रदेश आज विकास और औद्योगिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अब उद्योग और विनिर्माण के क्षेत्र में अपनी नई पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर को उत्तर प्रदेश की नई पहचान बताते हुए कहा कि अब बुलडोजर यूपी का ब्रांड बन चुका है। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में आधुनिक मशीनों और उपकरणों का निर्माण होगा तो उनकी मांग देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के दूसरे देशों में भी बढ़ेगी। इससे प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

सीएम योगी ने कहा कि सीएनएच की यह परियोजना प्रदेश में कृषि मशीनीकरण और आधुनिक विनिर्माण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और मशीनों की उपलब्धता बढ़ेगी। साथ ही राज्य में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार उद्योगों को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे से प्रदेश औद्योगिक विकास का प्रमुख केंद्र बन रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीएनएच जैसी परियोजनाएं उत्तर प्रदेश को विनिर्माण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करेंगी।

अखिलेश ने सीएम योगी पर भगवान श्रीकृष्ण के अपमान का लगाया आरोप

यूथ इंडिया, लखनऊ



प्रदेश की राजनीति में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर निशाना साधते हुए उन पर भगवान श्रीकृष्ण के अपमान का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्यमंत्री के बयान को लेकर नाराजगी जताई और इसे राजनीतिक हताशा करार दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2024 और 2026 की हार से डर गए हैं। इसी वजह से उनके बोल बिगड़ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष के नेता अपनी उपलब्धियां गिनाने के बजाय विपक्ष पर निशाना साधने में जुटे हैं। अखिलेश ने कहा कि यह सब हार की हताशा का नतीजा है।

सपा प्रमुख ने 2027 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए दावा किया कि भाजपा को आगामी चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, ÷ये 2027 में हमेशा के लिए हारेंगे।÷ अखिलेश के मुताबिक, अगर मुख्यमंत्री को अपनी जीत का भरोसा होता तो वह विपक्ष की आलोचना करने के बजाय अपनी सरकार के काम और उपलब्धियों की चर्चा करते।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जितना बुरा बोलेंगे, उन्हें उतनी ही बुरी हार का सामना करना पड़ेगा। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज होने के आसार हैं। हालांकि, इस पूरे विवाद पर भाजपा की ओर से आने वाली प्रतिक्रिया पर भी राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

नेपाल सड़क हादसे में 10 की मौत और पांच घायल

मकवानपुर। जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। काठमांडू से सर्लाही की ओर जा रही यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इलेक्ट्रिक वैन में कई यात्री सवार थे और वह अपने गंतव्य की ओर जा रही थी। इसी दौरान मकवानपुर जिले में चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया और वैन गहरी खाई में गिर गई। हादसा इतना गंभीर था कि कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को बाहर निकाला गया और उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

कथावाचक कौशल किशोर ठाकुर को जान से मारने की धमकी

- श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी प्रकरण के पक्षकार ने एसएसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार
- योगी आदित्यनाथ पर भी अभद्र टिप्पणी किए जाने का आरोप
- शिकायत मिलने पर एसएसपी ने साइबर सेल को जांच के दिए निर्देश

बम से उड़ाने और गोलियों से भूनने की कही बात!

यूथ इंडिया, मथुरा



प्रसिद्ध कथावाचक एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि तथा ज्ञानवापी प्रकरण से जुड़े पक्षकार कौशल किशोर ठाकुर को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि राजस्थान के एक व्यक्ति ने उन्हें बम से उड़ाने और गोलियों से भूनने की धमकी दी। इतना ही नहीं, धमकी देने वाले व्यक्ति पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ भी अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, कथावाचक कौशल किशोर ठाकुर ने इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर पूरे मामले की जानकारी दी है। उन्होंने अपनी और अपने परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने के साथ ही धमकी देने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, राजस्थान निवासी एक व्यक्ति पर कथावाचक को जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। कथित धमकी में बम से उड़ाने और गोलियों से भूनने जैसी बातें कही गईं। मामले को गंभीर बताते हुए कौशल किशोर ठाकुर ने पुलिस प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

कौशल किशोर ठाकुर की शिकायत पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मामले की जांच साइबर सेल को करने के निर्देश दिए हैं। अब पुलिस कथित धमकी से जुड़े संदेशों, संबंधित डिजिटल साक्ष्यों और आरोपी की पहचान की जांच करेगी।

कथावाचक ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए तथा उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

मामले की जांच के बाद ही धमकी की वास्तविकता, आरोपी की पहचान और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल साइबर सेल की जांच पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

आजम खां से मिलने डासना जेल पहुंचे शिवपाल यादव

यूथ इंडिया, गाजियाबाद



समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव गुरुवार को गाजियाबाद की डासना जिला जेल पहुंचे। यहां उन्होंने जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता आजम खां से मुलाकात की। शिवपाल यादव के जेल पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक भी सक्रिय हो गए।

शिवपाल यादव के काफिले का वेदांता टोल प्लाजा पर सैकड़ों सपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके समर्थन में नारे लगाए और फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम के बाद शिवपाल यादव का काफिला टोल प्लाजा से सीधे जिला कारागार के लिए रवाना हुआ।

आजम खां से शिवपाल यादव की इस मुलाकात को समाजवादी पार्टी के भीतर राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेता लंबे समय से पार्टी की राजनीति में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में जेल में हुई इस मुलाकात पर राजनीतिक गलियारों की नजर बनी हुई है।

शिवपाल यादव और आजम खां की मुलाकात के दौरान किन मुद्दों पर बातचीत हुई, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर सपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। आगामी 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सपा के वरिष्ठ नेताओं की सक्रियता भी प्रदेश की राजनीति में चर्चा का विषय बनी हुई है।

केजरीवाल को मिली बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी

- मांगी सात करोड़ की रंगदारी, विधायक जरनैल सिंह को आया मैसेज

यूथ इंडिया, लखनऊ



आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में सात करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने की बात कही गई है। धमकी से जुड़ा संदेश आम आदमी पार्टी के तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह के मोबाइल फोन पर भेजा गया था।

जानकारी के मुताबिक, विधायक जरनैल सिंह ने 6 नवंबर को मोहाली के एसएसपी को इस संबंध में लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि उनके निजी मोबाइल नंबर पर एक कॉल आई थी। इसके अलावा उनके व्हाट्सएप पर भी धमकी भरा संदेश भेजा गया था। संदेश में कथित तौर पर सात करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की गई।

विधायक के मुताबिक, व्हाट्सएप पर संदेश भेजने वाले व्यक्ति का प्रोफाइल नाम 'एच' दिखाई दे रहा था। इस धमकी के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस से शिकायत की गई है। शिकायत में कॉल और व्हाट्सएप संदेश के जरिए मिली धमकी का विवरण दिया गया है।

फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच और धमकी भेजने वाले की पहचान को लेकर आगे की कार्रवाई महत्वपूर्ण है। पुलिस मोबाइल नंबर, कॉल और व्हाट्सएप संदेश से जुड़े तथ्यों की जांच कर सकती है।

मां के खिलाफ वर्षों तक फैलाया गया झूठः प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने अपनी मां और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संस्मरण को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा है। प्रियंका ने आरोप लगाया कि उनकी मां के खिलाफ वर्षों तक झूठा प्रचार किया गया और उन्हें लेकर कई तरह की गलत बातें फैलाई गईं। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों तक चुप रहने के बाद अब अपनी कहानी और सच्चाई सामने रखने का उन्हें पूरा अधिकार है।

राम मंदिर आंदोलन के नायक विनय कटियार की युवाओं के नाम हुंकार!

- बोले राष्ट्रवाद की सोच लेकर आगे बढ़े राष्ट्र का युवा
- सूचनाओं पर विश्वास करने मे जल्दवाजी से बचें नौजवान

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री हिंदुत्व के फायर ब्रॉन्ड नेता से लखनऊ मे सीधी बात

यूथ इंडिया, लखनऊ



फोटो परिचयः लखनऊ विश्वास खंड - 2 स्थित उनकी कोठी पर बातचीत करते यूथ इंडिया के प्रधान संपादक शरद कटियार

राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शुमार, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद विनय कटियार के जन्मदिन पर लखनऊ के विश्वास खंड-2 स्थित उनके आवास पर यूथ इंडिया के एडिटर-इन-चीफ शरद कटियार ने उनसे विशेष मुलाकात की। जन्मदिन की शुभकामनाओं के बीच हुई यह मुलाकात केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें देश की युवा पीढ़ी, बदलती राजनीति, राष्ट्रवाद, सामाजिक जिम्मेदारियों और भारत के भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद हुआ।

राजनीति में कुछ नाम केवल पदों से नहीं, बल्कि अपने संघर्ष, संगठनात्मक यात्रा और ऐतिहासिक घटनाओं से जुड़ाव के कारण पहचाने जाते हैं। विनय कटियार भी ऐसे ही नेताओं में शामिल हैं, जिनका नाम राम जन्मभूमि आंदोलन के इतिहास के साथ जुड़ा रहा है। भाजपा के संगठनात्मक दायित्वों से लेकर संसदीय राजनीति तक उनका लंबा अनुभव रहा है।

शरद कटियार ने बातचीत के दौरान राम मंदिर आंदोलन के उस दौर को केंद्र में रखा, जब देशभर में इस विषय को लेकर व्यापक राजनीतिक और सामाजिक हलचल थी। उस दौर में युवाओं की भागीदारी, संगठन की शक्ति और आंदोलन से जुड़े अनुभवों को लेकर चर्चा की गई।

सवाल यह भी रहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद नई पीढ़ी के सामने अब कौन-सी जिम्मेदारियां हैं? क्या राम मंदिर आंदोलन की ऊर्जा को शिक्षा, रोजगार, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण जैसे क्षेत्रों में लगाया जाना चाहिए?

राम मंदिर केवल एक ऐतिहासिक आंदोलन का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा रहा है। ऐसे में नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के जीवन से मर्यादा, कर्तव्य, त्याग और नेतृत्व जैसे आदर्श ग्रहण करने की आवश्यकता पर भी संवाद हुआ।

विशेष बातचीत का सबसे महत्वपूर्ण विषय आज का युवा रहा। देश का युवा प्रतिभा, तकनीक और नए विचारों के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामने रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, महंगाई और आर्थिक आत्मनिर्भरता जैसी चुनौतियां भी हैं।

शरद कटियार ने सवाल उठाया कि जिस युवा शक्ति को देश का भविष्य कहा जाता है, उसकी वास्तविक समस्याओं को राजनीतिक विमर्श में कितनी प्राथमिकता मिल रही है?

आज युवा केवल आश्वासन नहीं, बल्कि अवसर, पारदर्शिता और अपनी प्रतिभा के अनुसार आगे बढ़ने का मंच चाहता है। राजनीति और सामाजिक संगठनों की जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को केवल कार्यक्रमों और चुनावी गतिविधियों तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें निर्णय प्रक्रिया और नेतृत्व में भी भागीदारी दें।

बातचीत में यह मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया कि राजनीति में अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलन किस प्रकार बनाया जा सकता है। वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का लाभ नई पीढ़ी को मिलना चाहिए और युवाओं को संगठन में जिम्मेदारी निभाने के अवसर मिलने चाहिए।

आज का युवा सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बात रखता है, सवाल पूछता है और व्यवस्था से जवाबदेही की अपेक्षा करता है। ऐसे समय में राजनीतिक दलों के लिए युवाओं के विचारों को समझना और उनकी अपेक्षाओं पर गंभीरता से विचार करना जरूरी है।

डिजिटल युग में सूचना की गति बहुत तेज है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अपनी बात रखने का मंच दिया है, लेकिन फर्जी खबरों, अधूरी जानकारी और वैचारिक टकराव की चुनौतियां भी बढ़ी हैं।

इस विषय पर भी चर्चा हुई कि नई पीढ़ी को किसी भी सूचना पर आंख बंद करके विश्वास करने के बजाय तथ्यों की जांच करनी चाहिए।

विनय कटियार के जन्मदिन पर उनके आवास पर हुई इस मुलाकात में आत्मीयता और राजनीतिक अनुभवों की चर्चा के साथ युवा पीढ़ी के सवालों को प्रमुखता दी गई।

मारपीट के बाद महिला की मौत

सदमे में कैंसर पीड़ित पति ने भी तोड़ा दम

यूथ इंडिया, सीतापुर

महोली कोतवाली क्षेत्र के फत्तेपुर गांव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। पत्नी की मौत के कुछ घंटे बाद देर रात उनके पति ने भी दम तोड़ दिया। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। परिवार में एक ही दिन दो मौतों से मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार, मारपीट की घटना में देवकली गांव निवासी चमेली गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चमेली की मौत के कुछ घंटे बाद देर रात उनके पति नरेश की भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नरेश लंबे समय से बीमार चल रहे थे और कैंसर से पीड़ित थे। उनकी मौत का कारण बीमारी बताया जा रहा है, जबकि पत्नी की मौत के सदमे से उनकी हालत बिगड़ने की बात भी सामने आई है।

फत्तेपुर गांव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के बाद महिला की मौत और फिर उनके पति के निधन से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना से गांव में भी शोक का माहौल है।

पांच करोड़ की अवैध दवाओं की जांच अटकी, कंपनियों ने नहीं भेजी रिपोर्ट, औषधि विभाग ने दोबारा भेजा रिमाइंडर

यूथ इंडिया, मलपुरा



धनौली और यमुनापार के टेढ़ी बगिया में बरामद अवैध दवाओं की जांच अब तक पूरी नहीं हो सकी है। दवाओं के नमूनों की लैब रिपोर्ट नहीं आई है और संबंधित कंपनियों ने भी विभाग को जरूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। ऐसे में मामले की आगे की जांच अटक गई है। औषधि विभाग ने अब लैब प्रभारी और संबंधित कंपनियों को दोबारा रिमाइंडर भेजा है।

जानकारी के मुताबिक, 29 सितंबर को धनौली में एक अवैध गोदाम से करीब पांच करोड़ रुपये की दवाएं बरामद की गई थीं। इसके पांच दिन बाद यमुनापार के टेढ़ी बगिया में नाले और झाड़ियों से दवाएं मिली थीं। इसी कंपनी की दवाएं भरतपुर में एक कुएं से भी बरामद हुई थीं। बरामद दवाएं देश-विदेश की पांच नामी कंपनियों की बताई गई हैं। इनमें एंटीबायोटिक, एलर्जी और मधुमेह समेत विभिन्न बीमारियों की दवाएं शामिल थीं।

औषधि विभाग ने बरामद दवाओं में से कुल 41 नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे हैं। साथ ही संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर पूछा गया था कि बरामद दवाएं उनके यहां निर्मित हुई हैं या नहीं। यदि दवाएं उनकी कंपनी में बनी हैं तो उनकी बिक्री किसे और कहां की गई थी। हालांकि, कंपनियों की ओर से अब तक कोई रिपोर्ट या जवाब नहीं मिला है। वहीं, लैब में भी नमूनों की जांच पूरी नहीं हुई है।

औषधि निरीक्षक आशुतोष मिश्रा ने बताया कि दवाओं के नमूनों की जांच रिपोर्ट अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। संबंधित कंपनियों ने भी मांगी गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई है। इस कारण जांच आगे नहीं बढ़ पा रही है। विभाग की ओर से कंपनियों को दोबारा रिमाइंडर भेजा जा रहा है। साथ ही लैब प्रभारी से संपर्क कर नमूनों की जांच प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरी करने को कहा गया है।

बोरे में मिला चार साल की बच्ची का शव

यूथ इंडिया, हाथरस



सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के कोडरा जहांगीरपुर गांव में चार वर्षीय बच्ची ममता का शव गुरुवार सुबह मिला। बच्ची 9 नवंबर की शाम करीब पांच बजे से लापता थी। उसका शव खरजा नहर के पास एक बोरे में मिला। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

परिजनों ने बच्ची के लापता होने के बाद कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। गुरुवार सुबह कुछ ग्रामीणों को नहर के पास रखे बोरे से दुर्गंध आई। जांच करने पर उसमें बच्ची का शव मिला। सूचना पर पुलिस क्षेत्राधिकारी समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

बच्ची की मां वीरेश ने बताया कि उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि किसने उनकी बेटी को गायब किया और उसकी हत्या की। ममता तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। उसकी एक छोटी बहन और तीन महीने का भाई है। बच्ची के पिता शीशपाल सिंह की चार महीने पहले अकराबाद में बाइक दुर्घटना में मौत हो चुकी है।

पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि बच्ची के साथ गलत घटना करने के बाद उसकी हत्या की गई और पहचान छिपाने के लिए शव बोरे में डालकर नहर के पास फेंक दिया गया। हालांकि, इन आशंकाओं की पुष्टि जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक कर उनकी लंबी आयु की कामना की

यूथ इंडिया, जालौन



बुधवार को भाई बहिन के अटूट प्यार का त्योहार भाईदूज नगर व ग्रामीण क्षेत्र में उल्लास के साथ मनाया गया। बहिनों ने भाईयों का तिलक कर उनकी दीर्घायु की कामना की।

कार्तिक शुक्ल पक्ष की यम द्वितीया को नगर व ग्रामीण क्षेत्र में भाईदूज का पर्व आंनद व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर बहनों ने भाईयों के मष्तिष्क पर हल्दी, रोली व चावल से टीका लगाया। टीका के बाद बहिनों ने भाई की आरती उतार कर ईश्वर से भाई की सलामती व दीर्घायु की कामना की।

तिलक के बाद भईयों ने भी बहिनों को खुश करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाइयों ने बहिनों को नकदी, मोबाइल व अन्य गैजेट उपहार में देकर उनका आशीर्वाद लिया। भाईयों ने यम द्वितीया के मौके पर बहिन के घर में वहिन द्वारा बनाया खाना खाया।

पुलिस चौकी से 50 मीटर दूर दो घरों में चोरी, 11 लाख से अधिक का माल पार

यूथ इंडिया, अतरौली



चोरों ने पुलिस चौकी से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित दो मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी कर ली। वारदात भैया दूज के दिन हुई, जब दोनों परिवार अपने रिश्तेदारों के यहां गए हुए थे। चोर दोनों घरों से कुल 2 लाख 20 हजार रुपये नकद और 9 लाख रुपये से अधिक के जेवर समेट ले गए। घटना की जानकारी सुबह हुई तो पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलने पर सीओ अनिवेश कुमार सिंह और कोतवाल सुरेंद्र पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों मकानों का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। कोतवाल ने जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा किया है। चौकी के पास हुई चोरी से मोहल्ले के लोगों में दहशत है और उन्होंने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

पहली घटना मोहल्ला भानपाड़ा में गांव रजातऊ निवासी विजेंद्र सिंह के घर हुई। वह अपनी पत्नी गीता देवी और बेटे निखिल के साथ बुधवार को टूंडला स्थित ससुराल गए थे। चोरों ने टट्टर काटकर घर में प्रवेश किया और 1 लाख 70 हजार रुपये नकद के साथ करीब पांच लाख रुपये से अधिक के जेवर चोरी कर लिए। सुबह विजेंद्र के भाई बंटी चौधरी के घर पहुंचने पर चोरी की जानकारी हुई।

दूसरी घटना विजेंद्र सिंह के पड़ोस में रहने वाले गांव नौरथा निवासी खेम सिंह के मकान में हुई। खेम सिंह अपनी पत्नी अंजू और बेटी श्रेया के साथ बुधवार को आगरा के टेड़ी बगिया स्थित ससुराल गए थे। चोरों ने गिलांडर से टट्टर की सरिया काटकर घर में प्रवेश किया और अलमारी तोड़कर 50 हजार रुपये नकद व करीब चार लाख रुपये के जेवर चोरी कर लिए। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित परिवारों ने चोरों को जल्द पकड़ने और चोरी गया सामान बरामद करने की मांग की है।

तिलक लगाकर भाई की लंबी उम्र की कामना



उई। दीपावली के बाद भैया दूज पर बहनों ने भाई को तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र की कामना की। ससुराल से विवाहिता बहनें भी अपने भाई का तिलक करने के लिए घर पहुंचीं। थाल सजाकर रोली चावल से तिलक किया और आरती की। भाई बहन के पवित्र स्नेह के प्रतीक इस त्योहार लेकर पूरे जिले में उत्साह व उमंग का माहौल रहा। सुबह सबसे पहले घर की देहरी पर परंपरागत तरीके से पूजन किया गया। बाद में तिलक कर बहनों ने भाइयों का मुंह मीठा कराया गया। बाद में तिलक कर बहनों ने भाइयों का मुंह मीठा कराया गया। भाइयों ने भी अपनी बहनों को उनके मनपसंद उपहार दिए। दिन भर बाजार में गिफ्ट खरीदने के लिए दुकानों पर भीड़ लगी रही। वहीं मिठाई की दुकानों पर भी सुबह से लेकर शाम तक खरीदारों की भीड़ रही। त्योहार को लेकर खासतौर से बहनों में खासा उत्साह देखने को मिला। जेल में बंद भाइयों को भी बहनें त्योहार पर तिलक करने गईं और उनकी विपदा दूर होने की कामना की।

महिला से बर्बरता के मामले में चार दिन बाद दर्ज हुआ मुकदमा, जांच की जिम्मेदारी आरोपी दरोगा को

यूथ इंडिया, लखनऊ



इंदिरानगर में महिला के हाथ-पैर बांधकर उसके साथ बर्बरता करने के मामले में घटना के चार दिन बाद मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच मानस सिटी चौकी प्रभारी अर्जुन सिंह को सौंपी गई है। हालांकि, इसी दरोगा पर पहले लापरवाही बरतने और पीड़ित परिवार को उल्टे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप है।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि घटना के बाद दरोगा विपक्षियों से पैसे लेकर मामले को दबाने की कोशिश कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, पीड़ित महिला करीब तीन घंटे तक चौकी में बेहोशी की हालत में पड़ी रही, लेकिन उसे इलाज के लिए अस्पताल नहीं भेजा गया और न ही परिजनों को इसकी जानकारी दी गई।

मुकदमा दर्ज होने के बाद मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। परिवार ने जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस दरोगा पर लापरवाही और धमकी देने के आरोप हैं, उसी को जांच की जिम्मेदारी सौंपना उचित नहीं है। इससे पीड़ित परिवार की चिंता बढ़ गई है।

मामला दर्ज होने के बाद दैनिक भास्कर की टीम पीड़ित परिवार से मिलने पहुंची। इस दौरान परिजनों ने पुलिस की कार्यशैली पर कई सवाल उठाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। अब देखना होगा कि पुलिस इन आरोपों पर क्या कार्रवाई करती है।

दुबग्गा में किराना दुकान और गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर राख

यूथ इंडिया, लखनऊ



दुबग्गा स्थित यादव बाजार के इटौली रोड पर गुरुवार सुबह एक किराने की दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में आग ने दुकान के साथ मकान की दोनों मंजिलों पर बने गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया।

आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान और गोदाम में रखा सामान जलने लगा। हादसे में आटा, मैदा, दाल, चीनी, तेल, गुटखा और दोना-पत्तल समेत बड़ी मात्रा में किराना सामान आग की चपेट में आ गया।

आग की लपटें और धुआं उठता देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप ले लिया, जिससे काफी सामान जलकर नष्ट हो गया।

इस घटना में हुए कुल नुकसान और आग लगने के कारणों की आधिकारिक जानकारी अभी सामने आना बाकी है। दमकल विभाग की कार्रवाई और नुकसान के आकलन के बाद ही घटना की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होते ही हैंग हुआ सर्वर, 750 सीटों के बावजूद यात्रियों को नहीं मिले कन्फर्म टिकट

यूथ इंडिया, लखनऊ



दीपावली और भैया दूज के बाद दिल्ली और मुंबई लौटने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नियमित ट्रेनों में लंबी वेटिंग के चलते यात्रियों को तत्काल कोटे से कन्फर्म टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन बुधवार सुबह बुकिंग शुरू होते ही रेलवे का सर्वर हैंग हो गया। यात्री मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार वेबसाइट रिफ्रेश करते रहे, लेकिन टिकट नहीं मिल सके। तत्काल कोटे में करीब 750 सीटें उपलब्ध थीं, लेकिन स्लीपर की महज 48 सीटें ही यात्रियों को मिल पाई।

गुरुवार से ट्रेनों में भीड़ और बढ़ने की संभावना को देखते हुए यात्रियों ने सुबह से ही तत्काल टिकट बुक करने की कोशिश शुरू कर दी थी। लखनऊ से दिल्ली जाने वाली लखनऊ मेल, एसी एक्सप्रेस, गोरखधाम, वैशाली, अयोध्या-दिल्ली और गोमती एक्सप्रेस के अलावा मुंबई रूट की पुष्पक, अवध, कुशीनगर और गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस में टिकटों की मांग अधिक रही। सुबह 10 बजे बुकिंग शुरू होते ही सर्वर हैंग हो गया। करीब तीन मिनट बाद स्थिति सामान्य हुई, लेकिन तब तक कई ट्रेनों में वेटिंग शुरू हो चुकी थी।

रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग में एजेंटों की टाइमिंग आधा घंटा घटाकर आम यात्रियों को प्राथमिकता देने की व्यवस्था की है। इसके बावजूद कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल बना हुआ है। दैनिक यात्री एसोसिएशन के अध्यक्ष एसएस उप्पल ने आशंका जताई कि एजेंट प्रतिबंधित सॉफ्टवेयर के जरिए तत्काल कोटे की सीटें बुक कर रहे हैं। वहीं, पुष्पक एक्सप्रेस में थर्ड एसी का तत्काल टिकट बुक करने वाली नेहा सिंह को सर्वर की समस्या के बाद 31 वेटिंग मिली। आखिरकार उन्होंने मुंबई जाने के लिए विमान का टिकट लेने का फैसला किया।

त्योहार मनाने लखनऊ आए इंजीनियर राजीव उपाध्याय को वापस दिल्ली जाना था। उन्होंने लखनऊ मेल की सेकंड एसी में तत्काल टिकट बुक कराने का प्रयास किया, लेकिन सर्वर की तकनीकी समस्या के चलते उन्हें भी कन्फर्म टिकट नहीं मिल सका। लगातार बढ़ती भीड़ और तत्काल टिकट बुकिंग में आ रही दिक्कतों से त्योहार के बाद काम पर लौटने वाले यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है।

दिल्ली-मुंबई रेल रूट पर आउटर में नहीं खड़ी होंगी ट्रेनें, 26.5 किमी लंबी तीसरी रेल लाइन से मिलेगी राहत

यूथ इंडिया, आगरा



ट्रेन पकड़ने के लिए स्टेशन पहुंचने के बाद भी यात्रियों को कई बार आउटर पर ट्रेन खड़ी होने के कारण इंतजार करना पड़ता है। दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर यात्री ट्रेनों के साथ मालगाड़ियों का दबाव भी इसकी बड़ी वजह है। भांडई-कीठम के बीच बन रही 26.5 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन से इस समस्या में राहत मिलने की उम्मीद है। इसके तैयार होने के बाद ट्रेनों को संचालन के लिए अतिरिक्त ट्रैक मिलेगा, जिससे यात्री और मालगाड़ियों की आवाजाही आसान हो सकेगी।

आगरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह के मार्गदर्शन में मथुरा-झांसी तृतीय रेल लाइन परियोजना के तहत निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। 5,960.76 करोड़ रुपये की इस परियोजना का 82 प्रतिशत सिविल कार्य पूरा हो चुका है। अब तक 38.65 लाख घन मीटर मिट्टी का कार्य किया जा चुका है।

परियोजना के तहत कुल 57 छोटे पुलों में से 53 का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं, 18 बड़े पुलों के निचले ढांचे तैयार हैं और 13 के ऊपरी ढांचे का काम भी पूरा हो चुका है। इसके अलावा पांच ओडब्ल्यूजी गर्डर का निर्माण पूरा किया जा चुका है। स्थानीय जरूरतों और ग्रामीणों की मांग पर पुलों की संख्या 37 से बढ़ाकर 75 कर दी गई है। नानपुर में नया क्रॉसिंग स्टेशन भी बनाया जा रहा है।

परियोजना के लिए 161 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई है, जिसके लिए 540.20 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। प्रभावित 5,094 पेड़ों के बदले 50,940 पौधे लगाए गए हैं। परियोजना को 31 दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। तीसरी रेल लाइन शुरू होने से ट्रेनों की क्रॉसिंग में सहूलियत मिलेगी और आउटर पर यात्रियों को होने वाले अनावश्यक इंतजार में कमी आने की उम्मीद है।

300 बेड का बनेगा नया लेडी लॉयल अस्पताल, मॉड्यूलर ओटी और आईसीयू समेत मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

आगरा। लेडी लॉयल महिला जिला अस्पताल के नए भवन की डिजाइन में बदलाव किया गया है। अब इसका निर्माण 300 बेड की क्षमता के अनुसार होगा। सीएमओ कार्यालय के पास पांच एकड़ जमीन पर अस्पताल का नया भवन बनाया जाएगा। इससे आगरा समेत आसपास के जिलों की गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। अभी अस्पताल में 120 बेड संचालित हैं। इंटीग्रेटेड प्लान के तहत एसएन मेडिकल कॉलेज परिसर के साथ लेडी लॉयल अस्पताल को भी शामिल किया गया है। मौजूदा परिसर से अस्पताल को शिफ्ट किया जाना है। नए भवन में मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, प्रसव कक्ष, प्री-प्रसव कक्ष और आधुनिक वार्ड बनाए जाएंगे। बेड की क्षमता बढ़ने से मरीजों को भर्ती करने में भी सहूलियत मिलेगी। अस्पताल में एनआईसीयू, आईसीयू, मदर मिल्क बैंक और कंगारू थेरेपी यूनिट की सुविधा भी होगी। इसके अलावा वेटिंग एरिया, कैंटीन, पार्किंग, ओपीडी कॉम्प्लेक्स, पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउंड सेंटर और काउंसिलिंग सेंटर भी बनाए जाएंगे। अस्पताल बनने से आगरा-अलीगढ़ मंडल के साथ मध्य प्रदेश और राजस्थान से आने वाले मरीजों को भी लाभ मिलेगा। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि महिला जिला अस्पताल को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसी के अनुसार बेड क्षमता बढ़ाकर 300 की गई है और डिजाइन तैयार की गई है। अस्पताल निर्माण के लिए शासन ने 86 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है।

खाद की पर्याप्त उपलब्धता, किसानों को नहीं होगी परेशानी: सतीश चन्द्र पाठक

- **जिले में 43,569 मीट्रिक टन यूरिया और 9,441 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध**
- **खाद की किल्लत और कालाबाजारी की शिकायतों पर कार्रवाई के लिए कंट्रोल रूम सक्रिय, 98 केंद्रों से हो रहा वितरण**

यूथ इंडिया, हरदोई

जनपद में किसानों को रबी फसलों की बुवाई के लिए उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए कृषि विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। जिला कृषि अधिकारी सतीश चन्द्र पाठक ने बताया कि 11 नवंबर 2026 को जनपद में 43,569 मीट्रिक टन यूरिया, 9,441 मीट्रिक टन डीएपी तथा 13,779 मीट्रिक टन एनपीके उर्वरक उपलब्ध है। किसानों को खाद प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए विभागीय स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं।

उन्होंने बताया कि उर्वरकों की उपलब्धता, वितरण और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए विकास भवन स्थित जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में कंट्रोल रूम संचालित किया जा रहा है। किसान खाद से संबंधित समस्या, कमी या अनियमितता की शिकायत मोबाइल नंबर 9695588008 एवं 8960717008 पर दर्ज करा सकते हैं। प्राप्त शिकायतों के आधार पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

जिला कृषि अधिकारी के अनुसार जनपद में साधन सहकारी समितियों, पीसीएफ कृषक सेवा केंद्रों और अन्य सहकारी केंद्रों सहित कुल 98 उर्वरक बिक्री केंद्रों के माध्यम से खाद का वितरण किया जा रहा है। किसानों को टोकन व्यवस्था के तहत फार्मर आईडी अथवा खतौनी के आधार पर उनकी जोत और फसल की संस्तुत मात्रा के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है।

जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय के निर्देश पर प्रतिदिन समितियों में खाद की उपलब्धता की समीक्षा की जा रही है। जिन समितियों पर डीएपी की उपलब्धता 10 मीट्रिक टन से कम है, वहां तत्काल खाद भेजने की व्यवस्था की जा रही है। इसकी नियमित समीक्षा जिलाधिकारी स्वयं कर रहे हैं।

आज दिखेगा उदयभान करवरिया का सियासी दम, 'सही दिशा-सही वक्त' सम्मेलन पर टिकीं सबकी निगाहें

यूथ इंडिया, नैनी/प्रयागराज



औद्योगिक क्षेत्र स्थित रामपुर में आज 12 नवंबर को सियासत का एक बड़ा जमावड़ा देखने को मिल सकता है। औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैदान में आयोजित होने जा रहे 'सही दिशा, सही वक्त' सर्व समाज सम्मेलन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। बारा के पूर्व विधायक उदयभान करवरिया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। आयोजन को लेकर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में खासा उत्साह है। गांव-गांव और कस्बे-कस्बे तक निमंत्रण पहुंचाया गया है। अब निगाहें रामपुर के मैदान पर हैं, जहां जुटने वाली भीड़ से आयोजकों के दावों की तस्वीर साफ होगी।

इस सम्मेलन की तैयारी कोई एक-दो दिन में नहीं हुई है। आयोजक सक्षम करवरिया और उनकी टीम पिछले करीब दो महीने से लोगों के बीच पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी है। प्रयागराज के साथ प्रदेश के अलग-अलग जिलों से भी लोगों को आमंत्रित किया गया है। मंच से लेकर बैठने की व्यवस्था तक को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजकों ने प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई है।

इस आयोजन की खास बात इसका सर्व समाज सम्मेलन होना है। आयोजकों की ओर से समाज के हर वर्ग, जाति और बिरादरी के लोगों को आमंत्रित किया गया है। उदयभान करवरिया भी कई मंचों से सामाजिक समरसता और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की बात कहते रहे हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि उनके साथ हर समाज के लोग जुड़े हैं और उनका रिश्ता जाति-बिरादरी से ऊपर जनता के बीच आपसी विश्वास और अपनापन का है।

उदयभान करवरिया अपने समर्थकों और शुभचिंतकों को महज राजनीतिक समर्थक नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा बताते हैं। उनका कहना है कि प्रयागराज की जनता के साथ उनका रिश्ता दिल का है और जीवन की अंतिम सांस तक बना रहेगा। उनके करीबियों के मुताबिक, जरूरतमंदों की मदद और जनता के बीच उपलब्ध रहने की उनकी कोशिश हमेशा चर्चा में रही है। यही वजह है कि इस सम्मेलन को समर्थक आपसी संवाद और मुलाकात का बड़ा अवसर बता रहे हैं।

सम्मेलन को लेकर क्षेत्र में कई दिनों से चर्चाएं हैं। आयोजक सक्षम करवरिया ने सर्व समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। कार्यक्रम के जरिए उदयभान करवरिया अपनी बात लोगों के बीच रखेंगे और समर्थकों से सीधा संवाद भी करेंगे।

फिलहाल रामपुर का यह सम्मेलन केवल एक आयोजन भर नहीं, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति में चर्चा का नया केंद्र बन गया है। समर्थकों ने बड़े जनसमूह के जुटने का दावा किया है। ऐसे में आज सबकी निगाहें इस बात पर रहेंगी कि रामपुर के मैदान में कितने लोग पहुंचते हैं और यह आयोजन क्षेत्र की सियासत को क्या संदेश देता है।

संक्षिप्त समाचार

मिस्र में भीषण ट्रेन हादसा : दो ट्रेनों की टक्कर के बाद पटरी से उतरे डिब्बे, 7 की मौत, 125 घायल



अल-अय्यात, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के दक्षिण में रविवार को दो ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और कम से कम 125 लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में ट्रेन का कंडक्टर भी शामिल है. हेल्थ मिनिस्ट्री ने मरने वालों की संख्या बताते हुए एक बयान में कहा कि 70 से ज़्यादा घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई. ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के मुताबिक यह हादसा गीजा प्रांत के अल-अय्यात जिले में हुआ, जो काहिरा से लगभग 52 किलोमीटर (32 मील) दक्षिण में है. ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी फयूम प्रांत जा रही एक ट्रेन, दक्षिणी प्रांत असवान जा रही एक ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई. चीफ प्रॉसिक्यूटर के ऑफिस ने रविवार देर रात कहा कि उनके इन्वेस्टिगेटर मौके पर पहुंच गए हैं. अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चला है कि क्रैश तब हुआ जब गीजा-फय्यूम ट्रेन काहिरा-असवान ट्रेन के आखिरी डिब्बे से टकरा गई, जो उसी ट्रैक पर खड़ी थी और उसी दिशा में जा रही थी. मिस्र में ट्रेन का पटरी से उतरना और क्रैश होना आम बात है, जहां रेलवे सिस्टम में मिसमैनेजमेंट और इक्विपमेंट के खराब मेंटेनेंस का इतिहास रहा है. हाल के सालों में सरकार ने मॉडर्नाइजेशन की पहल की घोषणा की है. अल-अय्यात के कफर गिरजा के रहने वाले अयमान गमाल ने कहा कि जहाँ यह हादसा हुआ आस-पास रहने वाले लोग मौके पर दौड़े, ज़िंदा बचे लोगों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस को बुलाया. गमाल ने कहा कि उन्होंने लगभग 80 घायलों को एम्बुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाते देखा. उन्होंने कहा कि कुछ यात्री रुकी हुई ट्रेन के एक डिब्बे में फँस गए थे और जब उन्हें बाहर निकाला गया तो उनकी मौत हो चुकी थी. बेनी सुएफ प्रांत के अल-वस्ता सेंट्रल हॉस्पिटल के बाहर जहाँ कुछ घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया था, बचे हुए लोगों ने कहा कि यात्री सदमे में थे और उड़ रही धूल की वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी. उन्होंने कहा कि आस-पास के गाँव वालों ने आखिरकार उन्हें बाहर निकाला. फय्यूम ट्रेन के अंदर मौजूद एक बची हुई फरहा गमाल ने कहा कि उसने कुछ यात्रियों को मरा हुआ देखा और कुछ लोग डिब्बे से बाहर निकलने के लिए जूझ रहे थे. उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'कुछ और गाड़ियां भी थी जो पूरी तरह से खराब हो गई थी.' प्रेसिडेंट अब्देल-फतह अल-सिसी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने क्रैश की तुरंत जांच के आदश दिए हैं. इजिप्टियन रेलवे अथॉरिटी ने कहा कि मलबा हटाने और ट्रेन सर्विस को जल्द से जल्द नॉर्मल शेड्यूल पर लाने के लिए इमरजेंसी टीम और क्रेन मौके पर भेजे गए. पिछले सितंबर में उसी जिले में दो मालगाड़ियों की टक्कर में एक ट्रेन ड्राइवर और उसका असिस्टेंट घायल हो गए थे. इजिप्ट का सबसे खतरनाक ट्रेन क्रैश 2002 में हुआ था, जब काहिरा से दक्षिणी इजिप्ट जा रही एक रात भर चलने वाली ट्रेन में आग लगने से 300 से ज़्यादा लोग मारे गए थे.

कुर्दिस्तान के गैस क्षेत्र पर ड्रोन हमला, बड़ा बिजली संकट

कुर्दिस्तान, एजेंसी। इराक के कुर्दिस्तान में खोर मोर गैस क्षेत्र पर एक ड्रोन हमला हुआ है। अल जज़ीरा के अनुसार, इस हमले से क्षेत्र में बड़ा ऊर्जा आपातकाल उत्पन्न हो गया। कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार (केआरजी) के बिजली मंत्रालय के प्रवक्ता ओमिद अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड में बिजली उत्पादन लगभग 2.8 गीगावाट कम हो गया। ड्रोन विस्फोट से गैस आपूर्ति बाधित हुई। इससे एरबिल, सुलेमानियाह, बाजियान, चमचमाल और दुहोक जैसे पांच प्रमुख शहरी केंद्रों को ईंधन नहीं मिला। अधिकारियों ने ग्रिड के पतन को रोकने के लिए आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए। बिजली मंत्रालय संवेदनशील स्थलों (अस्पतालों) को बिजली देने के लिए जलविद्युत व अन्य ईंधन स्टेशनों का उपयोग कर रहा है। कुर्द सुरक्षा बलों ने हमले की पुष्टि की पर किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। यह हमला कुर्द अधिकारियों और तेहरान के बीच उच्च स्तरीय सुरक्षा वार्ता के दौरान हुआ।

ट्रंप ने वार्ता में ठोस प्रगति नहीं होने पर ईरान के 38 पुलों को निशाना बनाने की धमकी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि यह बहुत कम संभावना है कि वह अमेरिकी सेना को ईरान के साथ लड़ाई में वापस जाने का आदेश देंगे, बशर्ते तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने पर बातचीत में ठोस प्रोग्रेस हो. साथ ही उन्होंने बताया कि अमेरिका ने 38 ईरानी पुलों और मुख्य इंफ्रास्ट्रक्चर की पहचान की है जिन्हें नुकसान हो सकता है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. सीएनएन एंकर के साथ 20 मिनट के टेलीफोन इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी बात पांच बार दोहराई, जिससे पता चला कि अगर तेहरान पूरी डिप्लोमैटिक छूट देने के लिए राजी हो जाता है, तो आगे मिलिट्री बढ़ोतरी की बात नहीं होगी.

ट्रंप ने सीएनएन से कहा, 'यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे एक बहुत मजबूत एग्रीमेंट पर साइन करते हैं या नहीं.' जवाब यह है कि इसकी जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है. वे एक नाकाम देश हैं. यह अभी सामने आया है, आपने इस साल 301 फीसदी महंगाई देखी. इसकी जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है. अगर जरूरत पड़ी तो मैं करूँगा, लेकिन हमने उन पर बहुत जोर से मारा है. आपको नहीं पता कि मैंने उन पर कितना जोर से मारा है.' ट्रंप ने कहा कि पिछले मिलिट्री हमलों के साथ खतरनाक आर्थिक प्रतिबंध ने तेहरान की काबिलियत को बहुत कम कर दिया है. ट्रंप ने आगे कहा, 'इसलिए इसकी बहुत कम उम्मीद है कि मुझे ऐसा करना पड़ेगा. वे फाइनेंशियली खत्म हो रहे हैं हमने उन पर मिलिट्री हमला किया है. हम उन्हें खत्म कर सकते हैं.' सीएनएन के मुताबिक ट्रंप ने आगे बताया,



'हमारी साइट पर 38 पुल हैं जिन्हें हम सचमुच एक घंटे में गिरा सकते हैं. वे सभी गिर जाएंगे.' लॉजिस्टिकल रास्तों को खत्म करने में अपनी हिचकिचाहट बताते हुए ट्रंप ने कहा, 'मैं ऐसा नहीं करना चाहता क्योंकि असल में उन्हें फिर से बनाने में 10 साल लगेंगे. मुझे पुल तोड़ना पसंद नहीं है और सबसे मुश्किल काम पुल बनाना है.

इसमें सालों लगते हैं और मैं एक अच्छा बिल्डर हूं.' इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के एक सलाहकार ने कहा कि वॉशिंगटन में हो रहे राजनीतिक घटनाक्रम-जिसमें हाल ही में अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत भी शामिल है- का वॉशिंगटन के प्रति तेहरान के रुख पर कोई असर नहीं पड़ेगा, अल जजीरा ने रिपोर्ट किया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीनियर सलाहकार मोहम्मद मोखबर ने अमेरिकी कानूनी माहौल में बदलावों से उम्मीदें न रखने की चेतावनी दी और ईरानी प्रशासन से सिर्फ घरेलू आर्थिक मजबूती पर भरोसा करने को कहा. अल जजीरा के मुताबिक मोखबर ने लिखा कि 'अपनी किस्मत वॉशिंगटन से बांधना नादानी होगी.' उन्होंने आगे कहा, 'अपने आर्थिक रिसोर्स को जुटाना जरूरी है. समय एक राष्ट्रीय संपत्ति है. इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए.' दिन में पहले ईरान की आर्म्ड फोर्सेज ने अमेरिका को इस्लामिक रिपब्लिक के प्रति अपनी दबदबे वाली और दुश्मनी भरी पॉलिसीज को आगे बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि ईरान के खिलाफ खड़ी कोई भी ताकत आखिरकार खत्म और बिखर जाएगी.

ईरान की सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक ईरान की आर्म्ड फोर्सेज के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल शेखरची ने कहा, 'अमेरिका में राजनीतिक और चुनावी प्रगति और ट्रंप प्रशासन और अलग-अलग फील्ड्स में उनकी पार्टी के साथियों की लगातार हार, देश की घरेलू पॉलिटिक्स में ऊपरी उतार-चढ़ाव का नतीजा होने के बजाय, एक बड़ी और पक्की सच्चाई की झलक है.' शेखरची ने यह भी आरोप लगाया कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी नेताओं की दुश्मनी भरी पॉलिसी, और वेस्ट एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में लगातार मिली नाकामियों ने वॉशिंगटन की स्थिति को कमजोर कर दिया है. प्रवक्ता ने कहा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी नेताओं की दुश्मनी भरी नीतियां, दुनिया में लगातार नाकामियां, खासकर पश्चिम एशियाई इलाके में हमलावर के मिलिट्री बेड़े और साजो-सामान का खत्म होना और उस देश की धमकियों में रुकावट ने व्हाइट

हेगसेथ को हटाने के लिए डेमोक्रेट्स लामबंद



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में जीत के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर दबाव बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। हाउस में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने हेगसेथ पर गंभीर कदाचार और ईरान के साथ जारी युद्ध के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। रविवार को एबीसी न्यूज से बातचीत में जेफ्रीज ने रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी की ओर से तैयार किए जा रहे महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मैं हेगसेथ के खिलाफ प्रस्ताव का पूरी तरह समर्थन करता हूं।' जेफ्रीज ने बताया कि डेमोक्रेटिक सांसद मंगलवार को दोबारा संसद की बैठक शुरू होने पर इस प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे।

हेगसेथ पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप : जेफ्रीज ने युद्ध मंत्री की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया है। उन्होंने कहा, 'कथित रक्षा मंत्री ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है, हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया है और ईरान में इस गैरजरूरी और महंगे युद्ध की योजना बनाई है। इस युद्ध के कारण अमेरिकी लोगों के लिए कीमतें बहुत बढ़ गई हैं और देश पहले से कम सुरक्षित हो गया है। पीट हेगसेथ को पद छोड़ना होगा। 'जेफ्रीज ने कहा कि जनवरी में कांग्रेस का औपचारिक नियंत्रण मिलने के बाद विपक्षी गठबंधन इस संघर्ष को खत्म करने के लिए विधायी विकल्पों पर काम करेगा। उन्होंने कहा, 'हम इस गैरजरूरी और महंगे युद्ध को खत्म करने जैसे कदम उठाना चाहते हैं, जिसने लोगों की जिंदगी को बहुत महंगा बना दिया है।' वहीं, सीएनएन के मुताबिक, हेगसेथ ने एक वीडियो बयान जारी कर महाभियोग की पहल को खारिज कर दिया। उन्होंने इसे 'व्यक्तिगत छवि खराब करने की राजनीति' बताया और कहा कि यह उनके खिलाफ कामयाब नहीं होगी।

तेहरान की मांगें अस्वीकार्य और बेतुकी': अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का बड़ा बयान, ईरान ने क्या कहा?



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान के साथ जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए की जा रही कूटनीतिक कोशिशों में अब तक कोई प्रगति या सफलता नहीं मिली है। उन्होंने इसके लिए तेहरान की मांगों को जिम्मेदार ठहराया और उन्हें 'अस्वीकार्य', 'अपमानजनक' और 'बेतुका' बताया। समाचार एजेंसी अल जजीरा के मुताबिक, रुबियो ने स्पष्ट किया कि फिलहाल दोनों देशों के बीच किसी समझौते की संभावना नजर नहीं आ रही है। फ्लोरिडा के होमस्टेड एयर रिजर्व बेस पर पेरिस रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में रुबियो ने यह टिप्पणी की। वह जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए पेरिस जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच पर्दे के पीछे चल रही बातचीत और मध्यस्थता के प्रयासों पर भी अपनी बात रखी। रुबियो ने स्वीकार किया कि कई तीसरे देश वाशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं और अलग-अलग प्रस्तावों के साथ दोनों पक्षों से संपर्क बनाए हुए हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि बातचीत किसी समझौते के करीब पहुंच गई है। रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं से दुनिया को सुरक्षित रखने के लिए उसके खिलाफ युद्ध शुरू किया था। उन्होंने स्वीकार किया कि यह फैसला जरूरी नहीं कि लोकप्रिय रहा हो, लेकिन देश और दुनिया की सुरक्षा के लिहाज से इसे लेना आवश्यक था। अल जजीरा के मुताबिक, रुबियो ने कहा, 'कई देश अलग-अलग विचारों के साथ उनके (ईरान) संपर्क में बने हुए हैं, लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि हम किसी बड़ी सफलता के करीब हैं।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतरराष्ट्रीय विवादों को कूटनीति के जरिए सुलझाने को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन बातचीत के लिए ऐसी शर्तें जरूरी हैं, जिन पर व्यावहारिक रूप से सहमति बन सके। रुबियो का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी बातचीत में गतिरोध की बात स्वीकार कर चुके हैं।

ब्रिटेन में नौ साल के हिंदू बच्चे को तिलक लगाने से रोका: स्कूल छोड़ने को मजबूर हुआ परिवार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नौ साल के एक हिंदू बच्चे को माथे पर तिलक लगाकर स्कूल आने से रोकने का मामला सामने आया है। यह विवाद लंदन के विकर्स ग्रीन प्राइमरी स्कूल से जुड़ा है। बच्चा स्वामीनारायण संप्रदाय को मानता है और 2021 से इस स्कूल में पढ़ रहा था। वह कई वर्षों से माथे पर धार्मिक पहचान के तौर पर तिलक चंदलो लगाकर स्कूल जाता था। हालांकि, 2025 के आखिर में स्कूल ने इस पर आपत्ति जताई। इसके बाद विवाद बढ़ा और आखिरकार माता-पिता ने बच्चे को स्कूल से निकाल लिया। अब परिवार ने इस मामले में ब्रिटेन के हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

माता-पिता ने स्कूल पर क्या आरोप लगाए?:बच्चे के माता-पिता का कहना है कि उनके बेटे को केवल अपनी धार्मिक परंपरा का पालन करने की वजह से परेशानी झेलनी पड़ी। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अपने बेटे को सिर्फ आस्था का पालन करने के कारण इस तरह की स्थिति से गुजरते देखना उनके लिए बेहद दुखद था। माता-पिता के मुताबिक, बच्चा कई वर्षों से बिना किसी परेशानी के तिलक चंदलो लगाकर स्कूल जाता था। उन्होंने कहा कि उनके बेटे की धार्मिक पहचान से किसी को नुकसान नहीं पहुंचता था और न ही इससे उसकी पढ़ाई या स्कूल की



गतिविधियों पर कोई असर पड़ता था। परिवार ने कहा कि वे अपने बच्चों को सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाते हैं और चाहते हैं कि उनके धर्म के प्रति भी वैसा ही सम्मान दिखाया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि किसी दूसरे बच्चे को अपनी पढ़ाई और धर्म में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े।

परिवार ने हाईकोर्ट में क्या कानूनी मांग रखी है? : इस मामले में परिवार की ओर से अय्रे लॉ कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। कानूनी टीम ने ब्रिटेन के इक्वैलिटी एक्ट 2010 के तहत धार्मिक भेदभाव और ह्यूमन राइट्स एक्ट 1998 के तहत मिले अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इंग्लैंड और वेल्स के हाईकोर्ट में दायर याचिका में परिवार ने 25 हजार पाउंड के हर्जाने की मांग की है।

स्कूल ने अपने बचाव में क्या कहा?

स्कूल ने परिवार की ओर से लगाए गए भेदभाव के आरोपों को खारिज किया है। विकर्स ग्रीन प्राइमरी स्कूल का कहना है कि उसने परिवार की धार्मिक मान्यताओं को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ काम किया और वैकल्पिक व्यवस्था की पेशकश भी की थी, लेकिन माता-पिता ने उसे स्वीकार नहीं किया। स्कूल ने यह भी कहा कि वह अपने समुदाय में अलग-अलग संस्कृतियों और धर्मों का सम्मान करता है। उसके मुताबिक, स्कूल की नीति का उद्देश्य आपसी मेलजोल, निष्पक्षता, समानता और सभी के साथ अपनापन बनाए रखना है। साथ ही, स्कूल समुदाय में किसी तरह के बंटवारे या व्यवधान को रोकना भी इस नीति का हिस्सा है। तिलक चंदलो स्वामीनारायण संप्रदाय को मानने वाले लोगों की धार्मिक पहचान का प्रतीक है। इसे आमतौर पर चंदन के लेप से अंग्रेजी के अक्षर 'यू' के आकार में बनाया जाता है और बीच में कुमकुम का छोटा लाल निशान लगाया जाता है। यह भगवान के प्रति भक्ति और विनम्रता का प्रतीक माना जाता है। परिवार का आरोप है कि स्कूल की आपत्ति के बाद बच्चे से उसके धार्मिक रीति-रिवाजों को लेकर बार-बार सवाल किए गए और उसे स्कूल की कुछ गतिविधियों में हिस्सा लेने से भी रोका गया।

कॉलेज के एक समारोह में गोलीबारी, जश्न के बीच अचानक हुआ हमला, एक की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना स्थित एक ऐतिहासिक अश्वेत विश्वविद्यालय में होमकमिंग समारोह के दौरान हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। इस घटना में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि 22 वर्षीय महिला घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर हथियार रखने का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जांच जारी है।

विंस्टन-सलेम स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार रात करीब 9 बजकर 45 मिनट पर गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें 19 वर्षीय युवक गोली लगने से घायल मिला। अधिकारियों ने उसे बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इसी जगह पुलिस को 22 वर्षीय महिला भी मिली, जिसे गोली लगी थी। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के बाद महिला को अस्पताल



से छुट्टी दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में जियायरे स्पिंक्स नाम के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगाए गए हैं? : पुलिस के सहायक प्रमुख जेसन स्वेम के मुताबिक, आरोपी को बिना जमानत हिरासत में रखा गया है। उसके खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर बंदूक रखने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के पीछे की पूरी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। जांचकर्ता मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। हालांकि, शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने इसे एक अलग-थलग घटना बताया है। इसका मतलब है कि फिलहाल इस गोलीबारी को किसी दूसरी घटना से जुड़ा हुआ नहीं माना जा रहा है।

क्या विश्वविद्यालय परिसर में एक से ज्यादा बार गोलीबारी हुई थी? : पुलिस ने रविवार तड़के हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि शनिवार रात विश्वविद्यालय परिसर में दो अलग-अलग जगहों पर गोलीबारी हुई थी। हालांकि, दूसरी घटना के बारे में अधिकारियों ने अभी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दूसरी गोलीबारी में कोई घायल हुआ या नहीं। पुलिस ने दोनों घटनाओं से जुड़े तथ्यों की जांच जारी रखी है। अधिकारियों ने फिलहाल यह भी नहीं बताया है कि दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या नहीं। ऐसे में दूसरी गोलीबारी से जुड़ी जानकारी सामने आना अभी बाकी है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने होमकमिंग समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। इन कार्यक्रमों के स्थान पर एक स्थानीय चर्च ने विश्वविद्यालय समुदाय के लिए प्रार्थना सभा आयोजित करने की योजना बनाई।



कैलिफोर्निया : जहाज से समुद्र में गिरा पियानोवादक, नौ घंटे तक तैरता रहा, मछुआरों ने बचाई जान

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में क्रूज शिप से गिरे एक पियानोवादक को नौ घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। वो समुद्र में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करता रहा। करीब 20 मील दूर समुद्र में तैर रहे इस व्यक्ति को दो मछुआरों ने बचाया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसके बचने की उम्मीद है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को कैलिफोर्निया के न्यूपोर्ट बीच के पास हुई। बचाए गए व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। उसने मछुआरों को बताया कि वह रॉयल कैरेबियन के 14 डेक वाले क्रूज जहाज 'ओवेशन ऑफ द सीज' में पियानोवादक के रूप में काम करता है। सीन नॉर्टन और ग्रांट गैरेट कैटालिना द्वीप के पास मछली पकड़ने के बाद अपनी नाव से लौट रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 12 बजे उनकी नजर समुद्र में एक व्यक्ति पर पड़ी। उसे देखते ही उन्होंने मछली पकड़ने का सामान समेटा और नाव रोककर उसे बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। दोनों मछुआरों ने मिलकर उसे नाव पर खींच लिया। पिपुल डॉट कॉम ने बताया कि नॉर्टन के मुताबिक, वह बेहद सदमे में था। होश संभालने के बाद उसने कहा, ''धन्यवाद, मुझे लगा था कि मैं मरने वाला हूं।'' व्यक्ति को बचाने के बाद मछुआरों ने समुद्री आपातकालीन सेवा को सूचना दी। इसके बाद न्यूपोर्ट बीच के लाइफगार्ड मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

स्थानीय अधिकारियों का अनुमान है कि व्यक्ति शुक्रवार तड़के करीब 2:30 बजे जहाज से समुद्र में गिरा होगा। हालांकि, इसकी सटीक पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) इस मामले की जांच कर रहा है कि वह क्रूज जहाज से समुद्र में कैसे गिरा। मछुआरों के मुताबिक, समुद्र का तापमान करीब 76 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 24.4 डिग्री सेल्सियस) होने से उसकी जान बचने में मदद मिली हो सकती है।

पोलैंड गोलीबारी: पीड़ितों के सम्मान में आधे झुके राष्ट्रीय ध्वज, क्या बोलीं यूरोपीय संघ की प्रमुख वॉन डेर?

ब्रसेल्स, एजेंसी। पोलैंड के क्राको शहर में हुई भीषण गोलीबारी के पीड़ितों और बचावकर्मियों के सम्मान में यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के राष्ट्रीय ध्वज आधे झुका दिए गए हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने हमले पर दुख जताया। साथ ही पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप ने दुख और हैरानी के साथ शनिवार को हुए इस खौफनाक हमले की खबर सुनी। उन्होंने कहा कि आधे झुके राष्ट्रीय ध्वज यूरोपीय एकता और एकजुटता का प्रतीक हैं।

उन्होंने लिखा, आज सुबह यूरोप ने कल क्राको में हुए खौफनाक हमले के बाद दुख और अविश्वास के साथ दिन की शुरुआत की। पीड़ितों और बहादुर बचावकर्मियों के सम्मान में हमारे राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके हुए हैं। ये यूरोपीय एकता और एकजुटता का प्रतीक हैं। नफरत से ज्यादा मजबूत। चरमपंथ से ज्यादा मजबूत।

गोलीबारी में कितने लोगों की गई जान?: यह बयान शनिवार को क्राको के मशहूर मेन मार्केट स्क्वायर में हुई गोलीबारी के बाद आया है। शहर के ऐतिहासिक केंद्र में एक बंदूकधारी ने गोलीबारी की थी। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में दो पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस बीच, पोलैंड के आंतरिक और प्रशासन मंत्रालय में सामाजिक संचार विभाग की निदेशक और प्रेस प्रवक्ता करोलिना गालेका ने



बताया कि हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों में पांच देशों के नागरिक शामिल हैं। एक्स पर पोस्ट में गालेका ने बताया कि प्रभावित लोगों में ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, रूस और पुर्तगाल के नागरिक हैं।

उन्होंने लिखा, हम आपको बताना चाहते हैं कि कल क्राको में हुए हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों में पांच देशों के नागरिक शामिल हैं। ये देश हैं- ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, रूस और पुर्तगाल।

पांच देशों के दूतावासों को दी गई जानकारी? : गालेका ने आगे बताया कि लेसर पोलैंड प्रांत के गवर्नर ने उन देशों के वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों को घटना की जानकारी दी है, जिनके नागरिक इस हमले से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा, लेसर पोलैंड प्रांत के गवर्नर ने उन देशों के वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों को घटना के बारे में जानकारी दी है, जिनके नागरिक इस हमले से प्रभावित हुए हैं। पीड़ितों की निजता बनाए रखने की जरूरत पर जोर देते हुए गालेका ने कहा कि अधिकारी उनकी निजी जानकारी सार्वजनिक नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, उनकी निजता की रक्षा के लिए हम पीड़ितों की उम्र, लिंग या स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दे रहे हैं। पोलैंड के गृह मंत्री मार्सिन किएरविंस्की ने स्थानीय मीडिया को बताया कि संदिग्ध 24 साल का पोलिश नागरिक है। वह दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधारा से प्रभावित था। उसके विचार बेहद कट्टर और अति-राष्ट्रवादी थे। पुलिस के एक प्रवक्ता के मुताबिक, गोलीबारी के दौरान हमलावर ने सेना जैसी वर्दी और बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। उसने सेना में इस्तेमाल होने वाली लंबी बंदूक से गोलियां चलाई थीं। पुलिस ने उसकी कार से कई अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि खुद गोली लगने के बाद भी हमलावर पुलिस अधिकारियों पर गोलियां चलाता रहा।

सम्पादकीय

युवा पीढ़ी को केवल इतिहास नहीं, भविष्य की जिम्मेदारी भी सौंपनी होगी



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

भारत का इतिहास केवल घटनाओं और आंदोलनों का इतिहास नहीं है, बल्कि यह पीढ़ियों के संघर्ष, संकल्प और बदलाव की कहानी भी है। हर दौर में युवाओं ने देश की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कभी आजादी का आंदोलन हो, कभी सामाजिक परिवर्तन की लड़ाई और कभी राम जन्मभूमि आंदोलन, हर बड़े घटनाक्रम में युवा शक्ति की भागीदारी दिखाई दी है।

राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व सांसद विनय कटियार से उनके जन्मदिन पर लखनऊ के विश्वास खंड-2 स्थित आवास पर हुई मुलाकात ने एक महत्वपूर्ण विचार को सामने रखा,क्या आज की युवा पीढ़ी को उसके सामर्थ्य के अनुरूप नेतृत्व और जिम्मेदारी मिल रही है? यूथ इंडिया के एडिटर-इन-चीफ शरद कटियार के साथ हुई विशेष बातचीत का केंद्रीय विषय यही रहा कि आंदोलन की ऊर्जा को अब राष्ट्र निर्माण की दिशा में किस प्रकार आगे बढ़ाया जाए।

विनय कटियार का राजनीतिक जीवन एक ऐसे दौर से जुड़ा रहा है, जब राम मंदिर आंदोलन ने भारतीय राजनीति और सामाजिक विमर्श को व्यापक रूप से प्रभावित किया। उस दौर की पीढ़ी ने संगठन, संघर्ष और सामूहिक भागीदारी का अनुभव प्राप्त किया। आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं। देश के सामने नई चुनौतियां हैं और युवाओं की अपेक्षाएं भी पहले से अलग हैं। आज का युवा रोजगार चाहता है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहता है, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता चाहता है और अपनी प्रतिभा के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर चाहता है। वह केवल भाषण नहीं, परिणाम देखना चाहता है। उसकी आकांक्षाओं को समझना और उन पर गंभीरता से काम करना सरकारों, राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की जिम्मेदारी है।

यह भी समझना होगा कि युवाओं को केवल चुनावी भीड़ या नारों तक सीमित रखना उनके सामर्थ्य के साथ न्याय नहीं होगा। उन्हें संगठन में निर्णय लेने का अवसर, नेतृत्व की जिम्मेदारी और समाज के लिए काम करने का मंच मिलना चाहिए। वरिष्ठ नेताओं का अनुभव और युवाओं की नई सोच जब एक साथ आएगी, तभी राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था में सार्थक बदलाव संभव होगा। राम मंदिर निर्माण के बाद अब नई पीढ़ी के सामने भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने की जिम्मेदारी है। मर्यादा, कर्तव्य, न्याय, त्याग और लोककल्याण जैसे मूल्य केवल धार्मिक चर्चा के विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन के भी महत्वपूर्ण आधार हैं।

आज सोशल मीडिया के दौर में युवाओं के सामने एक और चुनौती है। सूचनाओं की बाढ़ में सही और गलत का अंतर समझना जरूरी है। विचारधारा के नाम पर नफरत नहीं, बल्कि संवाद और तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए। राष्ट्र के प्रति प्रेम का वास्तविक प्रमाण अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना है। हमारा मानना है कि देश की राजनीति को भी पीढ़ियों के बीच संवाद का नया अध्याय शुरू करना चाहिए। वरिष्ठ नेतृत्व को अपने अनुभव का द्वार युवाओं के लिए खोलना होगा और युवाओं को भी मेहनत, अनुशासन, अध्ययन तथा सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे आना होगा।

विनय कटियार के जन्मदिन पर हुई मुलाकात ने इसी पीढ़ीगत संवाद की आवश्यकता को रेखांकित किया। जन्मदिन केवल शुभकामनाओं का अवसर नहीं होता, बल्कि जीवन के अनुभवों से सीख लेने और आने वाले समय की दिशा पर विचार करने का भी अवसर होता है। आज देश को केवल इतिहास पर गर्व करने वाली पीढ़ी नहीं, बल्कि इतिहास से प्रेरणा लेकर भविष्य गढ़ने वाली पीढ़ी चाहिए। युवाओं को अवसर दीजिए, उनकी आवाज सुनिए, उनकी प्रतिभा पर भरोसा कीजिए। क्योंकि मजबूत भारत का निर्माण केवल अतीत की उपलब्धियों से नहीं, बल्कि आज के युवाओं को दी गई जिम्मेदारियों से होगा।

प्रधान संपादक

वैज्ञानिकों से कहीं बड़ा है विज्ञान: खोज और ज्ञान की एक सार्वभौमिक यात्रा

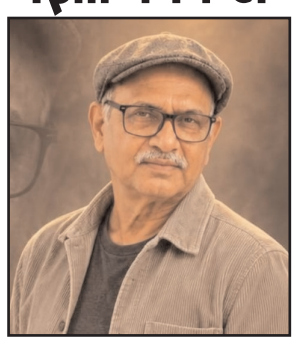

डॉ. विजय गर्ग

विज्ञान मानवता की सबसे महान उपलब्धियों में से एक है, लेकिन इसका दायरा इसके विकास में योगदान देने वाले वैज्ञानिकों से भी कहीं अधिक व्यापक है। वैज्ञानिक नए तथ्यों की खोज कर सकते हैं, सिद्धांत विकसित कर सकते हैं और नई तकनीकों का आविष्कार कर सकते हैं, लेकिन विज्ञान किसी एक व्यक्ति की संपत्ति नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की साझा विरासत है। यह जिज्ञासा, अवलोकन, प्रयोग और सीखने की एक निरंतर यात्रा है, जो व्यक्तियों, संस्थानों और देशों की सीमाओं से परे है।

इतिहास में अनेक महान वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड के प्रति हमारी समझ को नया स्वरूप दिया है। आइजैक न्यूटन ने गति और गुरुत्वाकर्षण के नियमों की व्याख्या की, अल्बर्ट आइंस्टीन ने अंतरिक्ष और समय के प्रति हमारी समझ में क्रांति ला दी, मैरी क्यूरी ने रेडियोधर्मिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया और सी. वी. रमन ने प्रकाश के अध्ययन में नए रास्ते खोले। उनकी उपलब्धियाँ आज भी पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं। लेकिन विज्ञान किसी वैज्ञानिक के जीवन या उपलब्धियों के साथ समाप्त नहीं होता। प्रत्येक नई खोज भविष्य के अनुसंधान की नींव बनती है।

विज्ञान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसका ज्ञान कभी पूर्ण नहीं होता। नए प्रमाण सामने आने और अनुसंधान के बेहतर तरीके विकसित होने के साथ वैज्ञानिक ज्ञान लगातार बदलता और विकसित होता रहता है। आज सही माने जाने वाले किसी सिद्धांत में कल नए प्रमाण मिलने पर संशोधन किया जा सकता है या उसे बदला जा सकता है। स्थापित विचारों पर प्रश्न उठाने की यही क्षमता विज्ञान को अंधविश्वास और रूढ़िवादी मान्यताओं से अलग बनाती है। विज्ञान बिना प्रश्न किए किसी बात को स्वीकार करने के बजाय सवाल पूछने, प्रमाणों की जाँच करने और तार्किक निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित करता है।

विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं, विश्वविद्यालयों या अनुसंधान केंद्रों तक सीमित नहीं है। यह हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। किसान फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग करते हैं, डॉक्टर चिकित्सा अनुसंधान के माध्यम से जीवन बचाते हैं, इंजीनियर पुलों के निर्माण में गणितीय सिद्धांतों का उपयोग करते हैं और शिक्षक शिक्षा को प्रभावशाली बनाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों को अपनाते हैं। खाना पकाने, बागवानी करने, यात्रा करने और संवाद स्थापित करने जैसी सामान्य गतिविधियों में भी वैज्ञानिक सिद्धांत शामिल होते हैं। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति विज्ञान का अनुभव करता है और उससे लाभ उठाता है।

विज्ञान का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष इसकी सामूहिक प्रकृति है। कोई भी बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि अकेले व्यक्ति के प्रयासों से संभव नहीं होती। प्रत्येक सफल आविष्कार या खोज के पीछे पहले के शोधकर्ताओं, तकनीशियनों, सहायकों, संस्थानों और अनगिनत ऐसे लोगों का योगदान होता है, जिनके नाम शायद कभी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आते। आधुनिक अंतरिक्ष अभियान, चिकित्सा संबंधी खोजें और तकनीकी आविष्कार विभिन्न विषयों तथा देशों के लोगों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता , जैव प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, क्वांटम कंप्यूटिंग और अंतरिक्ष अनुसंधान का विकास दर्शाता है कि वैज्ञानिक ज्ञान कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। ये क्षेत्र ऐसे अवसर पैदा कर रहे हैं, जिनकी कुछ दशक पहले कल्पना करना भी कठिन था। कृत्रिम बुद्धिमत्ता जटिल जानकारियों के विश्लेषण में सहायता कर रही है, जैव प्रौद्योगिकी स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में नई संभावनाएँ खोल रही है तथा नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों के विकल्प प्रस्तुत कर रहे हैं। हालाँकि, ये प्रगतियाँ नैतिकता, निजता, रोजगार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्न भी खड़े करती हैं।

विज्ञान हमें विनम्रता का पाठ भी पढ़ाता है। मानव जितनी अधिक खोज करता है, उसे उतना ही एहसास होता है कि अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। हमने ब्रह्मांड के केवल एक छोटे से हिस्से का ही अध्ययन किया है। मानव मस्तिष्क, चेतना, महासागरों और जीवन की उत्पत्ति से जुड़े अनेक रहस्य अभी भी अनसुलझे हैं। यह अनिश्चितता हमें निराश करने के बजाय अज्ञात की खोज करने के लिए और अधिक प्रेरित करनी चाहिए।

दुर्भाग्य से, समाज कभी-कभी व्यक्तिगत वैज्ञानिकों, पुरस्कारों, पदों और निजी प्रसिद्धि को आवश्यकता से अधिक महत्व देने लगता है। महान शोधकर्ताओं का सम्मान करना निश्चित रूप से आवश्यक है, लेकिन विज्ञान को केवल व्यक्तिगत प्रसिद्धि या प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बनना चाहिए। इसका वास्तविक उद्देश्य मानव समझ को बढ़ाना और समाज के कल्याण में योगदान देना है। किसी वैज्ञानिक की महानता केवल उसके पुरस्कारों या प्रकाशित शोधपत्रों से नहीं, बल्कि उसके कार्य के समाज पर पड़े सकारात्मक प्रभाव से मापी जानी चाहिए।

आम नागरिकों के लिए भी वैज्ञानिक सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। गलत सूचनाओं, अफवाहों और भ्रामक दावों के इस युग में लोगों को तथ्यों और विचारों के बीच अंतर समझने की क्षमता विकसित करनी चाहिए।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

राशिफल

मेष राशि: आज कार्यक्षेत्र में मेहनत के बावजूद कुछ चुनौतियां आ सकती हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है।

वृषभ राशि: आज रुके हुए काम पूरे होने के योग हैं। साझेदारी और व्यापार में लाभ मिल सकता है। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

मिथुन राशि: सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है। नौकरी और कारोबार में व्यस्तता रहेगी। संतान से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। यात्रा के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि: आज जोखिम भरे फैसलों से बचना बेहतर रहेगा। परिवार में किसी आयोजन से खुशी मिलेगी।

सिंह राशि: अधूरी जानकारी के आधार पर निर्णय लेने से बचें। अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है।

कन्या राशि: आज कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के संकेत हैं। मान-सम्मान बढ़ेगा और किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लाभदायक साबित हो सकती है। मन में संतोष बना रहेगा।

तुला राशि: आर्थिक स्थिति में सुधार के योग हैं। नए मकान या संपत्ति को लेकर बातचीत हो सकती है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात मन प्रसन्न करेगी। काम में सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशि: आज निजी कामों को टालने से परेशानी बढ़ सकती है। खानपान और दिनचर्या का ध्यान रखें।

धनु राशि: युवाओं को करियर में अच्छे अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें और अनावश्यक खर्च से बचें।

मकर राशि: आज नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। विवादों से दूरी बनाए रखना बेहतर होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर में मांगलिक कार्य होने के योग हैं।

कुंभ राशि: रुके हुए काम दोबारा शुरू हो सकते हैं। योजनाओं में सफलता मिलने की संभावना है। अधिक भागदौड़ से थकान महसूस हो सकती है।

मीन राशि: वैवाहिक और पारिवारिक मामलों में सकारात्मक पहल हो सकती है। मित्रों के साथ बातचीत में संयम रखें।

500 का नोट नहीं, कानून से टूटेगा भ्रष्टाचार का साम्राज्य



एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया

वैश्विक स्तरपर भारत में भ्रष्टाचार, काला धन और हवाला कारोबार की समस्या केवल आर्थिक अपराध नहीं,बल्कि देश की प्रशासनिक व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं, आर्थिक समानता और राष्ट्रीय विकास के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। 8 नवंबर 2016 को भारतीय पीएम ने नोटबंदी की घोषणा करके 500 और 1,000रूपए के पुराने नोटों को चलन से बाहर किया था। उस ऐतिहासिक फैसले के लगभग दस वर्ष बाद भी भ्रष्टाचार और काले धन को लेकर बहस समाप्त नहीं हुई है। अब एनडीए के सहयोगी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा 500 रूपए के नोट बंद करने का सुझाव दिए जाने से एक बार फिर देश में बड़ी बहस शुरू हो गई है। उनका तर्क है कि बड़े मूल्य के नकद लेन-देन पर अंकुश लगाने और डिजिटल मुद्रा को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार तथा वित्तीय धोखाधड़ी कम हो सकती है।लेकिन मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यहां एक बुनियादी प्रश्न उठता है कि क्या भ्रष्टाचार की जड़ वास्तव में 500 रूपए का नोट है या वह पूरी व्यवस्था है जिसमें रिश्वत,सरकारी ठेकों में कमीशन,बेनामी संपत्तियां, फर्जी कंपनियां, चुनावी धनबल हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग फलते-फूलते हैंमेरा स्पष्ट मत है कि मुद्रा का स्वरूप बदलने से अधिक ज़रूरी है,अपराध करने वाले व्यक्ति, उसके सहयोगियों, वित्तीय नेटवर्क और सरकारी संरक्षण देने वाली व्यवस्था पर कठोर, पारदर्शी और प्रभावी कानूनी कार्रवाई करना।उपर्युक्त धाराओं में सुझाए गए संशोधन नीतिगत प्रस्ताव हैं,वर्तमान कानून का वर्णन नहीं।इन्हें लागू करने से पहले विधि आयोग,संसद और संवैधानिक विशेषज्ञों की समीक्षा आवश्यक होगी।विशेष रूप से यूएपीए, बीएनएस,एनएसए और मृत्युदंड संबंधी प्रस्तावों में नागरिक स्वतंत्रता,निर्दोषता की धारणा और न्यायिक प्रक्रिया की रक्षा अनिवार्य है।इस आर्टिकल के माध्यम से प्रधानमंत्री से ठोस पहल की अपील करते हैं मेरे विचार से भारत को आज एक व्यापक राष्ट्रीय भ्रष्टाचार उन्मूलन नीति की आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम नोटबंदी बनाम कानून की बंदिश= असली समाधान कहां है इसको समझने की करें तो,यहां एक महत्वपूर्ण आर्थिक पहलू समझना आवश्यक है। 500 रूपए का नोट बंद करने से रिश्वत का लेन-देन अपने आप समाप्त नहीं होगा। भ्रष्ट व्यक्ति 100, 200, रूपए विदेशी मुद्रा, सोना,जमीन,बेनामी संपत्ति, डिजिटल माध्यम, फर्जी कंपनियों अथवा दूसरे वित्तीय रास्तों का उपयोग कर सकता है।दूसरी ओर किसान, छोटे दुकानदार रेहड़ी-पटरी व्यवसायी मजदूर, ग्रामीण और डिजिटल सुविधाओं से वंचित नागरिक नकदी पर निर्भर हैं। यदि 500 रूपए का नोट अचानक बंद किया गया तो नकदी की उपलब्धता, छोटे व्यापार, ग्रामीण बाजार और आम नागरिकों के दैनिक लेन-देन पर बड़ा दबाव पड़ सकता है।100 रूपए से बड़ी सभी करेंसी बंद करने और 1,000 रूपए से अधिक नकद लेन-देन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव भी व्यावहारिकता, महंगाई और नागरिकों की स्वतंत्रता के दृष्टिकोण सेगंभीर समीक्षा मांगताहै।

आयकर अधिनियम1961की धारा 269एसटी पहले ही एक व्यक्ति से एक दिन में,एक लेन-देन में अथवा एक आयोजन से संबंधित लेन-देन में 2 लाख या उससे अधिक नकद प्राप्त करने पर प्रतिबंध लगाती है, निर्धारित अपवादों के अधीन।

धारा 269 एसएस और 269 टी ऋण एवं जमा के नकद लेन-देन को नियंत्रित करती हैं। धारा 271डी ए , 271डी और 271ई में उल्लंघन पर दंड का प्रावधान है।इसलिए जरूरत इन व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने, वास्तविक लाभार्थी की पहचान करने और बड़े संदिग्ध लेन-देन की जांच मजबूत करने की है, न कि केवल नोट का आकार बदलने की।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

संबंधित घटकों की समृद्धता ही ग्रंथालय समृद्धि

प्रीतम भी. गेडाम

जीवन में जो महत्व अमूल्य शिक्षा का होता है, वही महत्व ग्रंथालयों का भी होता हैं। किसी भी काल या समय में ग्रंथालयों का महत्व कम नहीं हुआ, बल्कि समय के साथ बढ़ा हैं। हमारे भारत देश के प्राचीनतम नालंदा, तक्षशिला नाम से विश्वप्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के समृद्ध ग्रंथालय हो या आज के आधुनिक युग में साधनसंपन्न ज्ञान केंद्रों के रूप में स्थापित डिजिटल ग्रंथालय हो। हर ओर शिक्षा और ज्ञान के मुख्य स्रोत के रूप में ग्रंथालयों का महत्व अतुलनीय हैं। आज ग्रंथालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जा रहा है, ताकि पाठकों को जलद गति से गुणवत्तापूर्ण ग्रंथालयीन सेवाएं प्रदान की जा सकें। इससे पाठकों और ग्रंथालयीन कर्मचारियों के समय, क्षमता की बचत होकर ग्रंथालयीन विज्ञान के पांचो नियमों का पूर्ण रूप से पालन होता हैं।

ग्रंथालयों का निर्माण व्यवसाय या धनोपार्जन के रूप में नहीं होता हैं, यह शिक्षा सेवा या समाज सेवा के रूप में लोककल्याण स्वरुप ज्ञानोपार्जन का केंद्र होता हैं। आज हर तरफ, हर क्षेत्र को पैसा कमाने का जरिया बनाया गया हैं। समाज सुधारकों ने समाज को विकसित करने के दृष्टिकोण से समाजसेवा के रूप में स्कूल, महाविद्यालय, ग्रंथालय स्थापित किये थे, लेकिन समय के साथ आज इसमें बदलाव हुए हैं। अधिकतम शिक्षा क्षेत्र भी अब धनोपार्जन का केंद्र बन चुके है, लेकिन ग्रंथालय द्वारा बेहतर आय स्रोत न होने के कारण इस क्षेत्र में उद्यमी विशेष रूचि नहीं लेते। सरकार द्वारा संचालित ग्रंथालय ही आम लोगों के लिए एक साधन दिखाई पड़ता हैं। केंद्र सरकार द्वारा संचालित शिक्षा केंद्र या प्रसिद्ध निजी स्कूल, महाविद्यालय शिक्षा अनुरूप अपने ग्रंथालयों को काफी हद तक विकसित करते है। लेकिन अनेक राज्य सरकार द्वारा संचालित सार्वजनिक ग्रंथालय, अनुदानित स्कूल, महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों साथ ही स्थानीय प्रशासन के ग्रंथालय भी बरसों से समस्याओं से जूझते नजर आते हैं।

ग्रंथालय के विकास के लिए सर्वप्रथम विकसित दृष्टिकोण की आवश्यकता है, क्योंकि अक्सर हम देखते है कि, बहुत-सी महानगरपालिका, नगर निगम जिनका वार्षिक बजट हजार करोड़ से ज्यादा होकर भी वहां के ग्रंथालयों की स्थिति सालो-साल ज्यों की त्यों बनी हैं। हालांकि अभी सरकार ग्रंथालयों के विकास पर जोर देने की कोशिश कर रही है, परंतु विकास का असर ग्रंथालय संबंधित सभी घटकों पर दिखना चाहिए। महाराष्ट्र राज्य के अनुदानित सार्वजनिक ग्रंथालयो के चार वर्ग ए, बी, सी और डी किए गए है, इसी वर्ग श्रेणी अनुसार ग्रंथालयीन खर्च, कर्मचारी वेतन और साहित्य खरीदी की जाती हैं। शायद जानकर हैरान हो जाओगे कि, वर्ग ए, बी, सी और डी वर्ग में बहुत से ग्रंथालय कर्मचारी का वेतन एक मजदुर से भी कई गुना कम होता हैं। वो भी आज के समय में जब महंगाई हमें रोज रुलाती है, ऐसे समय में कई ग्रंथालय कर्मचारी ढाई-तीन हजार रुपये माह का वेतन पाते है, क्या इस वेतन में आज जीना संभव है? महाराष्ट्र राज्य में अधिकतम यह अनुदानित ग्रंथालय संस्थाओं द्वारा संचालित होते है, जैसे यहा अधिकाधिक अनुदानित शाला, महाविद्यालय संस्थाओं द्वारा ही संचालित है, परंतु शाला, महाविद्यालय के कर्मचारियों को सरकारी नियमानुसार वेतनश्रेणी लगायी गयी है, जबकि इन अनुदानित ग्रंथालय कर्मचारियों को कोई वेतनश्रेणी नहीं दी गई हैं।

अभी मेरी ऐसे ही एक सार्वजनिक ग्रंथालय क्लास ए ÷वर्ग - अन्य अ÷ के ग्रंथालय कर्मचारी से बात हुयी, उन्होंने बताया कि 1977 में 50 रूपये माह वेतन था, जो अब 12000 रुपये हुआ हैं। मतलब पिछले 49 साल में बारह हजार रूपये तक ही पहुंच पाए है, अर्थात श्रम आयुक्त, महाराष्ट्र द्वारा अधिसूचित, अकुशल मजदूरों हेतु महाराष्ट्र में दुकानों और प्रतिष्ठानों के लिए नवीनतम न्यूनतम मजदूरी भी इस वेतन से ज्यादा हैं। आज के समय में परिवार के मुखिया को परिवार की पूरी जिम्मेदारी का क्रियान्वयन इस वेतन में सहज संभव है? इस परिस्थिति में इन ग्रंथालय कर्मचारियों ने अपनी वास्तविकता के बारे में सरकार को अनेक बार अवगत कराया, लेकिन सफलता नहीं मिली। वे कर्मचारी सार्वजनिक ग्रंथालय कर्मचारी संगठन बनाकर मंत्रियो से मिले, निवेदन दिए, आंदोलन किये, लेकिन समाधान नहीं मिला। अब इन ग्रंथालय कर्मचारियों का कहना है कि, उचित समाधान नहीं मिलेगा तो आत्महत्या ही करना पडेगा, जीना बहुत मुश्किल हो चूका है, इस स्थिति तक मानसिकता पहुंच चुकी हैं। यह स्थिति उन ग्रंथालयीन कर्मचारियों की है जो ज्ञान रूपी भंडार समृद्ध कर हम तक ग्रंथालयीन सेवाएं अविरत प्रवाहित करते हैं।

आज देश के अनेक राज्यों के विविध क्षेत्रों के सभी स्तर पर ज्ञान केंद्रों में ग्रंथालय कर्मचारियों की भारी कमी हैं। पुराने कर्मचारी सेवानिवृत्त होते है, लेकिन नए कर्मचारी पद नहीं संभालते, क्योंकि बरसों से पद भर्ती नहीं हुई है। महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित स्कूल के ग्रंथालयों में ढूंढने पर शायद कही कोई कर्मचारी दिख जायेगा, वर्ना अधिकतम अनुदानित स्कूल के ग्रंथालय बिना कुशल कर्मचारियों के ही चल रही हैं। महाराष्ट्र के अनेक वरिष्ठ महाविद्यालयों में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद रिक्त पड़े है, अनेक विश्वविद्यालयों में भी यही नजारा है। अगर जरुरत पड़ी तो ठेका पद्धति पर कुछ समय के लिए कर्मचारी रखकर काम चलाते हैं। **(महाराष्ट्र सरकार द्वारा सम्मानित लेखक)**

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

प्रेम केवल भावना नहीं, बल्कि समझ, समर्पण और जिम्मेदारी से सीखी जाने वाली एक कला है

यूथ इंडिया

प्रेम को अक्सर दुनिया की सबसे खूबसूरत और सहज अनुभूति माना जाता है। जब किसी व्यक्ति के प्रति मन में आकर्षण, अपनापन या लगाव पैदा होता है, तो हम उसे प्रेम का नाम दे देते हैं। लेकिन प्रेम की वास्तविक परिभाषा इससे कहीं अधिक व्यापक और गहरी है। किसी को पसंद करना, उसके साथ समय बिताना या उसकी मौजूदगी में खुशी महसूस करना प्रेम का केवल शुरुआती रूप हो सकता है। वास्तविक प्रेम वह है, जिसमें दो लोग एक-दूसरे को समझने, स्वीकार करने और बेहतर इंसान बनने में सहयोग करते हैं। प्रेम केवल मन में पैदा होने वाला भाव नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक ऐसा तरीका है, जिसे समझने और अपनाने के लिए निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है।

जिस प्रकार किसी कला में निपुणता हासिल करने के लिए अभ्यास, धैर्य, लगन और अनुशासन जरूरी होता है, उसी प्रकार प्रेम को भी समय के साथ सीखा और विकसित किया जाता है। संगीत, चित्रकला या साहित्य की तरह प्रेम में भी संवेदनशीलता और समझ की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। केवल किसी के प्रति आकर्षित हो जाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके विचारों, भावनाओं, कमजोरियों और इच्छाओं को समझना भी जरूरी है। प्रेम का वास्तविक अर्थ तभी सामने आता है, जब व्यक्ति अपनी भावनाओं को व्यवहार में उतारता है। रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए संवाद, विश्वास, ईमानदारी और एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखना पड़ता है। बिना प्रयास के कोई भी रिश्ता लंबे समय तक अपनी गहराई और खूबसूरती बरकरार नहीं रख सकता।

प्रेम की सबसे बड़ी विशेषता केवल कुछ प्राप्त करने में नहीं, बल्कि अपनी ओर से कुछ अच्छा देने की इच्छा में छिपी होती है। हालांकि, इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि प्रेम में व्यक्ति को अपनी इच्छाओं, आत्मसम्मान और खुशियों को भुला देना चाहिए। वास्तविक प्रेम में त्याग और समर्पण के साथ आत्मसम्मान का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। किसी के लिए समय निकालना, उसकी बातों को ध्यान से सुनना, कठिन परिस्थितियों में उसका साथ देना और उसकी सफलताओं में प्रसन्न होना प्रेम के व्यावहारिक रूप हैं। जब हम किसी के जीवन में सकारात्मकता, विश्वास और सुरक्षा का एहसास पैदा करते हैं, तब हमारा रिश्ता केवल भावनात्मक आकर्षण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसमें वास्तविक गहराई आने लगती है।

एक स्वस्थ और मजबूत प्रेम संबंध की नींव चार महत्वपूर्ण स्तंभों पर टिकी होती है-देखभाल, जिम्मेदारी, सम्मान और समझ। देखभाल का मतलब केवल किसी की जरूरतों को पूरा करना नहीं, बल्कि उसकी भावनाओं और परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील बने रहना है। जिम्मेदारी का अर्थ है अपने व्यवहार और शब्दों के प्रभाव को समझना तथा रिश्ते के प्रति ईमानदार रहना। सम्मान का मतलब दूसरे व्यक्ति की स्वतंत्रता, विचारों, पसंद और व्यक्तित्व को स्वीकार करना है। वहीं, समझ का अर्थ है बिना किसी पूर्वाग्रह के उसकी बात सुनना और उसके दृष्टिकोण को जानने का प्रयास करना। इन चारों गुणों के अभाव में रिश्ता धीरे-धीरे केवल अपेक्षाओं और शिकायतों का केंद्र बन सकता है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

जियो का मुफ्त जाल और जिंदगी भर की वसूली

डॉ. सत्यवान सौरभ

आधुनिक अर्थव्यवस्था में निजीकरण को विकास, प्रतिस्पर्धा और बेहतर सेवाओं का पर्याय बनाकर प्रस्तुत किया जाता है। तर्क दिया जाता है कि निजी कंपनियाँ सरकारी संस्थानों की तुलना में अधिक कुशल होती हैं, उनकी सेवाएँ बेहतर होती हैं और वे उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प उपलब्ध कराती हैं। लेकिन इस चमकदार तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। जब शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, परिवहन और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएँ सार्वजनिक सेवा के बजाय मुनाफा कमाने का माध्यम बन जाती हैं, तब समाज में आर्थिक असमानता और शोषण की संभावनाएँ बढ़ने लगती हैं। सवाल यह नहीं है कि निजी क्षेत्र को कारोबार करने का अधिकार होना चाहिए या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या नागरिकों की बुनियादी जरूरतों को पूरी तरह बाजार की शक्तियों के भरोसे छोड़ देना उचित है?

दूरसंचार क्षेत्र इसका एक दिलचस्प उदाहरण है। जियो के आगमन ने भारतीय दूरसंचार बाजार में बड़ा बदलाव किया। शुरुआती दौर में मुफ्त कॉलिंग और सस्ते इंटरनेट की पेशकश ने करोड़ों लोगों को डिजिटल दुनिया से जोड़ा। इंटरनेट का विस्तार हुआ, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और सूचना तक पहुँच आसान हुई। निश्चित रूप से इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए। लेकिन इस बदलाव के साथ एक ऐसी उपभोक्ता संस्कृति विकसित हुई, जिसमें मुफ्त और सस्ती सेवाओं के आकर्षण ने लोगों को निजी कंपनियों पर पहले से अधिक निर्भर बना दिया। एक समय था जब अनेक लोगों के पास एक ही मोबाइल सिम होती थी, लेकिन सस्ते रिचार्ज, अलग-अलग नेटवर्क और आकर्षक योजनाओं के कारण कई लोगों ने एक से अधिक सिम रखना शुरू कर दिया। बाजार में प्रतिस्पर्धा के नाम पर शुरू हुई यह प्रक्रिया धीरे-धीरे उपभोक्ता की आदतों और निर्भरता को प्रभावित करने लगी।

यहाँ समझने वाली बात है कि कोई भी निजी कंपनी अंततः अपने निवेश, बाजार हिस्सेदारी और लाभ को ध्यान में रखकर काम करती है। मुफ्त या बेहद सस्ती सेवा हमेशा स्थायी जनकल्याण की नीति नहीं होती। शुरुआती आकर्षण के बाद शुल्क बढ़ सकते हैं, योजनाओं की शर्तें बदल सकती हैं और उपभोक्ता के सामने सीमित विकल्प रह सकते हैं। जब किसी क्षेत्र में कुछ बड़ी कंपनियों का प्रभाव अत्यधिक बढ़ जाता है, तब वास्तविक प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ने का खतरा भी पैदा होता है। ऐसी स्थिति में उपभोक्ता के पास विकल्प तो दिखाई देते हैं, लेकिन उसकी मोलभाव करने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए किसी कंपनी की लोकप्रियता को ही उपभोक्ता हितों की गारंटी मान लेना उचित नहीं है।

निजीकरण की सबसे बड़ी समस्या तब सामने आती है, जब इसका विस्तार उन क्षेत्रों में होने लगता है जिन पर आम नागरिक का जीवन निर्भर करता है। शिक्षा को ही देखिए। यदि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल महंगे निजी विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध होगी, तो गरीब परिवारों के बच्चों के लिए समान अवसर कैसे सुनिश्चित होंगे? स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण यदि बिना प्रभावी नियमन के आगे बढ़ेगा, तो गंभीर बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट में धकेल सकती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

हार्दिक-अर्शदीप की अदला-बदली से बदलेगा समीकरण

यूथ इंडिया

आईपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच हुआ हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह का ट्रेड केवल दो खिलाड़ियों की अदला-बदली नहीं, बल्कि दोनों फ्रेंचाइजी की भविष्य की रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत है। हार्दिक पंड्या का मुंबई छोड़कर पंजाब किंग्स से जुड़ना और अर्शदीप का मुंबई इंडियंस में आना कई सवाल खड़े करता है। मुंबई ने जहां अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए अर्शदीप पर भरोसा जताया है, वहीं पंजाब ने हार्

यातायात माह में पुलिस ने 2351 वाहनों का किया चालान, 12 सीज

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर में यातायात माह नवंबर-2026 के तहत यातायात पुलिस ने जागरूकता के साथ नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। अभियान के दौरान जिले में अब तक 2351 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 12 वाहनों को सीज किया गया।

पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक नगर चंद्रशेखर के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी यातायात के पर्यवेक्षण में यातायात प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। इस दौरान यातायात पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रमुख चौराहों, तिराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर तथा हैंडबिल और पंपलेट वितरित कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करने, दोपहिया वाहनों पर तीन सवारी न बैठाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही वाहनों के शीशों पर काली फिल्म लगाने तथा हूटर, सायरन और प्रेशर हॉर्न के अनधिकृत प्रयोग से बचने की अपील की गई।

अभियान के दौरान बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा और प्रदूषण प्रमाणपत्र के साथ ही बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट वाले वाहनों की सघन जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। काली फिल्म लगे वाहनों से फिल्म भी उतरवाई गई। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में सहयोग करने की अपील की।

डेढ़ साल से बिछड़े मंजीत को पुलिस ने परिजनों से मिलाया, परिवार में लौटी खुशियां

बांदा।
उत्तर प्रदेश के के जनपद बांदा में ऑपरेशन मुस्कान के तहत मरका थाना पुलिस ने मानवीय संवेदनशीलता और सूझबूझ का परिचय देते हुए करीब डेढ़ वर्ष से लापता मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति को उसके परिजनों से मिला दिया। लंबे समय से अपनों की तलाश कर रहे परिवार को जब मंजीत शुक्ला के सकुशल मिलने की खबर मिली तो उनकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहा।

थानाध्यक्ष सूबेदार बिंद के मुताबिक, 10 नवंबर को पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी। इसी दौरान एक मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति भटकता हुआ मिला। वह अपना नाम-पता बताने में असमर्थ था। पुलिस टीम उसे थाने ले आई और काफी धैर्य व आत्मीयता के साथ बातचीत की। लगातार प्रयासों के बाद उसने सीमित शब्दों में अपना नाम मंजीत और पता प्रयागराज के दारागंज स्थित बेनी माधव मंदिर बताया।

इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने तत्काल प्रयागराज के दारागंज क्षेत्र में संपर्क साधा और बेनी माधव मंदिर के आसपास के लोगों से उसके परिजनों के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद व्यक्ति की फोटो मोबाइल से परिजनों को भेजकर पहचान कराई गई। परिजनों ने उसकी पहचान मंजीत शुक्ला के रूप में की और बताया कि वह करीब डेढ़ साल से लापता था। परिवार के लोग लगातार उसकी तलाश कर रहे थे।

बुधवार 11 नवंबर को परिजन थाना मरका पहुंचे। आवश्यक सत्यापन और विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने मंजीत शुक्ला को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएनएच की आधारशिला रखी, कहा- देश-विदेश की कंपनियां यूपी में कर रहीं निवेश

नोएडा।
योगी आदित्यनाथ ने आज यमुना सिटी के सेक्टर-8 में 100 एकड़ मे 1220 करोड रुपये की लागत से बनने वाली सीएनएच कंपनी की आधारशिला लखनऊ से ऑनलाइन रखी। इस दौरान जेवर में आयोजित कार्यक्रम में गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर, दादरी के विधायक तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य श्रीचंद शर्मा, सीएनएच इंडस्ट्रियल एनवी के सीईओ गेरिट मार्क्स और सीएनएच इंडिया रीजन के प्रेसिडेंट एवं एमडी नरेंद्र मित्तल, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, निदेशक और अधिकारी मौजूद रहे।



यमुना प्राधिकरण ने सीएनएच कंपनी को सेक्टर-8 में 100 एकड़ जमीन आवंटित की है। यहां कंपनी ट्रैक्टर और अन्य कृषि मशीनरी का निर्माण करेगी। गुरुवार सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री ने इस कंपनी की वर्चुअल आधारशिला रखी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विश्वास प्रकट करने के लिए के मै सीएनएच के प्रबंधन का हृदय है आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह प्रोजेक्ट प्रदेश में कृषि क्षेत्र, विकास और मॉडर्न मैन्युफैक्चरिंग को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से स्थानीय युवाओं को रोजगार और व्यापार का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश के नाम में ही उत्तर है, उसके सामने 2017 से पहले कई प्रश्न थे। पलायन का, उपेक्षा का, पिछड़ेपन का, पहचान का, अराजकता का। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश आज उपद्रव प्रदेश से उत्सव प्रदेश बन गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में रूल ऑफ माफिया के स्थान पर रूल आफ लॉ स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि अच्छी कानून व्यवस्था की वजह से उत्तर प्रदेश में निवेश बढा है।प्रदेश विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। अच्छी कानून व्यवस्था और उद्योग क्षेत्र को मिल रही बेहतरीन सुविधा के चलते देश- विदेश की कंपनियां लाइन लगाकर यहां पर निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश के प्रमुख निवेश क्षेत्र के रूप में अपनी नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था स्थापित होने के पीछे केवल पुलिस भर्ती ही नहीं है, उनके आधुनिकरण के साथ-साथ अपराध और अपराधियों के प्रति सरकार का सख्त रूख एक प्रमुख कारण रहा है।

उन्होंने इस अवसर पर चुटकी लेते हुए कहा कि आपने यूपी के बुलडोजर की जरूर चर्चा सुनी होगी। इसलिए मैं कंपनी से इसबारे में कहूंगा कि आप यूपी में बुलडोजर और ट्रैक्टर की मैन्युफैक्चरिंग करने के लिए आए हैं ,तो देश और विदेश में स्वतः ही इसकी डिमांड होगी। बुलडोजर यहां का ब्रांड बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उन्होंने कहा की उद्योग को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश में कई पॉलिसी लागू की गई है। विशाल इंडस्ट्रियल लैंड बैंक नेटवर्क एक मजबूत आधार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि निवेश में प्रदेश टॉप पर है। उन्होने कहा कि एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और डेडिकेटेड फ्रेड कॉरिडोर ने प्रदेश में कनेक्टिविटी को एक नई ताकत प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि टाटा, सैमसंग, माइक्रोसॉफ्ट ,आईबीएम, इंफोसिस, एचसीएल, हिंदूजा ग्रुप आदि के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में संयुक्त ग्रुप से उद्योग का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप और डाटा सेंटर से लेकर साइबर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी तथा खेलकूद जैसे क्षेत्र में उत्तर प्रदेश आज तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। निवेश ,नवाचार, रोजगार के नए द्वार ढूंढ रहा है।

लंबित मुकदमों के निस्तारण के लिए शुरू होगा इवनिंग कोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट : अर्जुन राम मेघवाल

सुप्रीम कोर्ट में 96 हजार, हाईकोर्ट में 70 लाख और जिला अदालतों में करीब 4.30 करोड़ मामले लंबित



देवरिया।
केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या कम करने के लिए सरकार इवनिंग कोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रही है। इसके साथ ही सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं लेने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री बुधवार को बरपार में पूर्व सांसद एवं पूर्व उप थल सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल स्व. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शहर के रामनाथ देवरिया स्थित वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज मणि के आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में मुकदमों का लंबित होना एक बड़ी चुनौती है। उच्चतम न्यायालय में 96 हजार से अधिक, देश के 25 उच्च न्यायालयों में करीब 70 लाख और जिला अदालतों, सीजेएम तथा जूनियर जजों की अदालतों में लगभग चार करोड़ 30 लाख मामले लंबित हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पहली बार लंबित मुकदमों का समय के आधार पर विश्लेषण शुरू किया है। यह पता लगाया जा रहा है कि कौन सा मुकदमा कितने वर्षों से लंबित है। 30 और 40 साल पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई में लाने का प्रयास किया जाएगा।

जौनपुर पुलिस ने यक्ष ऐप पर दर्ज किया 12 हजार अपराधियों का ब्योरा

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर में अपराधियों की पहचान और उनकी धरपकड़ को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस ने डिजिटल निगरानी की पहल तेज कर दी है।

जिले के करीब 12 हजार अपराधियों का ब्योरा यक्ष ऐप पर अपलोड किया गया है। इसमें अपराधियों की थानेवार जानकारी के साथ उनके फोटो और वीडियो भी दर्ज किए जा रहे हैं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह ने बताया कि ऐप पर वांछित बदमाशों सहित आपराधिक



गतिविधियों में शामिल रहे लोगों का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य अपराधियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना है, ताकि किसी आपराधिक घटना के बाद उनकी पहचान करने और पुराने आपराधिक इतिहास का पता लगाने में आसानी हो सके।

ऐप पर अपराधियों से संबंधित जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से पुलिस को जांच के दौरान मदद मिलेगी। किसी दूसरे थाना क्षेत्र, जिले अथवा राज्य में अपराध करने वाले बदमाशों की पहचान भी उनके पुराने रिकॉर्ड के आधार पर की जा सकेगी।

पुलिस का मानना है कि इस डिजिटल व्यवस्था से अपराधियों की पहचान, उनके आपराधिक इतिहास का सत्यापन और विभिन्न क्षेत्रों की पुलिस के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान में सहूलियत होगी।

लोक आस्था के महापर्व डाला छठ की बिखरने लगी छटा, शुक्रवार को नहाय-खाय से होगा चार दिवसीय अनुष्ठान का शुभारंभ

काशी में छठी मैया के गीतों से भक्तिमय हुआ माहौल, घाटों और सरोवरों पर तैयारियां तेज
पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ी भीड़



वाराणसी।
उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी (वाराणसी)में लोक आस्था के महापर्व डाला छठ की छटा बिखरने लगी है। गांव,शहर की गली-मोहल्लों से लेकर घरों और बाजारों तक छठी मैया के पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देने लगी है। चार दिवसीय इस महापर्व का शुभारंभ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ होगा। पर्व को लेकर व्रती महिलाओं और उनके परिजनों में खासा उत्साह है। घरों में साफ-सफाई से लेकर पूजन सामग्री जुटाने और प्रसाद तैयार करने तक की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं।

छठ पर्व की तैयारियों के मद्देनजर शहर के बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। बांस से बने सूप, दउरा, डलिया, गन्ना, मौसमी फल और पूजन में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्रियों की दुकानें सज गई हैं। व्रती महिलाओं के परिजन पूजन सामग्री की खरीदारी में जुटे हैं। वहीं, गंगा के विभिन्न घाटों, वरुणा नदी के किनारे तथा शहर के तालाबों और सरोवरों पर व्रतियों के परिजन पूजा की वेदियां बनाने और स्थान सुरक्षित करने में लगे हैं।

घरों में छठी मैया के पारंपरिक गीतों के साथ नए भक्ति गीत भी सुनाई दे रहे हैं। 'बाट जे पूछेला बटोहिया, बहंगी केकरा के जाय...' और 'कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए...' जैसे लोकगीतों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया है। छठ गीतों की मधुर स्वर लहरियों के बीच काशी में पर्व की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं।

बिहार-यूपी की सीमाओं से निकलकर विदेशों तक पहुंची छठ की आस्था

डाला छठ अब बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रह गया है। देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों में बसे भारतीय समुदायों के बीच भी इस महापर्व की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। सूर्य उपासना, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और पारिवारिक मंगलकामना से जुड़ा यह पर्व लोक संस्कृति और सामाजिक समरसता का विशिष्ट उदाहरण बन गया है।

बेंती राजभवन में आयोजित बागेश्वर धाम सरकार की श्रीराम कथा में आमंत्रित किए गए वाराणसी और प्रयागराज के रामभक्त

वाराणसी।
प्रतापगढ़ के कुंडा में बेंती राजभवन के योगीराज देवरहा बाबा कथा मंडप में आयोजित बागेश्वर धाम सरकार पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्री राम कथा को लेकर वाराणसी और प्रयागराज के रामभक्तों को आमंत्रित किया गया है। रामभक्तों को आमंत्रित किए जाने पर उनका उत्साह और हर्ष अभी से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर दिखाई देने लगा है।

वाराणसी में सुसुवाही क्षेत्र निवासी



संजय सिंह ने कहा कि बागेश्वर धाम सरकार के श्री राम कथा का आमंत्रण मिला है। आगामी 17 नवंबर से 20 नवंबर तक अपराह्न दो बजे से श्रीराम कथा होनी है। श्री राम कथा के पहले दिन वह प्रतापगढ़ जाएंगे। इस कथा के श्रोताओं के बीच बैठकर श्री राम कथा सुनेंगे। धीरेंद्र शास्त्री जी महाराज के श्रीमुख से श्री राम कथा का आनंद उठाएंगे। यह आनंदित करने वाला अवसर है।

प्रयागराज में युवा अधिवक्ता और रामभक्त यशपाल सिंह ने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम की कथा सुनने का अवसर जब भी मिलता है, वह कथा स्थल जाते हैं। यह बड़े गौरव की बात है कि बेंती राजभवन में श्री राम कथा का आयोजन हो रहा है। वह आमंत्रित भी है, और अपने युवा साथियों के साथ कथा सुनने के लिए पहुंचेंगे। बाबा बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के मुख से कथा सुनने का सुंदर अवसर मिला है।\

इससे युवा अधिवक्ताओं में भरपूर उत्साह है।

जनसत्ता दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता और प्रदेश प्रधान महासचिव डॉक्टर बृजेश सिंह राजावत ने कहा कि कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया जनसत्ता दल के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष, हम सभी के नेता हैं। राजा भैया ही कुंडा में होने जा रहे चार दिवसीय श्री राम कथा के मुख्य यजमान है। राजा भैया के निवेदन पर आ रहे बागेश्वर धाम सरकार पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 17 नवंबर से 20 नवंबर तक बेंती राजभवन के योगीराज देवरहा बाबा कथा मंडप में श्री राम कथा कहेंगे। जिसके लिए सभी राम भक्तों को आमंत्रित किया जा रहा है। श्री राम कथा के आयोजन में सभी का स्वागत है।

सौरभ गोलीकांड: आरोपियों की तलाश में सहारनपुर और देहरादून पहुंची पुलिस टीमें

बागपत।
बागपत जिले के गोपालपुर खड़ाना गांव में राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा में तैनात सौरभ को गोली मारने के मामले में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी नही हो पाई है। गिरफ्तारी के लिए बागपत पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें सहारनपुर और देहरादून रवाना की गई हैं। पुलिस अधीक्षक पूर्णेंदु सिंह ने थाना रमाला का आकस्मिक निरीक्षण कर मामले में अब तक हुई कार्रवाई की समीक्षा की।

एसपी बागपत पूर्णेन्दु सिंह ने थाना रमाला प्रभारी, उपनिरीक्षकों और



विवेचकों के साथ बैठक की । इस दौरान 8 नवंबर 2026 की रात करीब 9:45 बजे गोपालपुर खड़ाना गांव में सौरभ को गोली लगने की घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीमों की कार्रवाई की जानकारी ली। बताया कि पुलिस मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के माध्यम से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस टीमों को सहारनपुर और देहरादून भेजा गया है। एसपी ने अधिकारियों को आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में एसपी बागपत ने अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी बड़ौत भी मौजूद रहे।

वाराणसी में सिंधी समाज ने निकाली भगवान झूलेलाल की भव्य ध्वजा यात्रा, दीपदान कर की सुख-समृद्धि की कामना

वाराणसी।
दिव्य कार्तिक मास के पावन अवसर पर गुरुवार को उत्तर प्रदेश की धर्म नगरी वाराणसी में सिंधी समाज की ओर से भगवान झूलेलाल की भव्य ध्वजा यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। यात्रा से पूर्व लक्सा स्थित झूलेलाल मंदिर में श्रद्धालुओं ने भगवान झूलेलाल एवं हिंगलाज माता की प्रतिमाओं के समक्ष दीपदान कर पल्लव प्रार्थना की और समाज की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

इसके पश्चात सिंधी समाज के जयप्रकाश बलानी ने भगवान झूलेलाल की पवित्र ध्वजा उठाकर



यात्रा का शुभारंभ किया। ध्वजा यात्रा में समाज की महिलाओं ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। भगवान झूलेलाल के जयकारों और संकीर्तन के बीच यात्रा लक्सा स्थित झूलेलाल मंदिर से प्रारंभ होकर प्रेम प्रकाश आश्रम, सिंधु नगर तक पहुंची।

मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर ध्वजा यात्रा का भव्य स्वागत किया। इससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में सराबोर हो गया। प्रेम प्रकाश आश्रम पहुंचने पर भगवान विष्णु एवं भगवान झूलेलाल की भव्य आरती की गई। इसी के साथ धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के वातावरण में ध्वजा यात्रा का समापन हुआ।

इस अवसर पर जे.पी. बलानी, सुरेश तुलस्यान, अनिल शर्मा, रोहित बलानी, हेमंत केशवानी, गोपाल सचदेवा, वासुदेव नागवानी, देवानंद वाध्वा, मुस्कान शर्मा, अमृता अठवानी, लीना जजानी, जितेंद्र तलरेजा एवं चंद्रा सचदेवा सहित सिंधी समाज के अनेक लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

70 करोड़ की लागत से निर्मित विशिष्ट सुपर मंडी का हुआ शुभारंभ

महोबा।
यूपी के महोबा जनपद में किसानों को बड़ी सौगात मिली है। जनपद में व्यापारिक एवं कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2014 में लगभग 70 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित विशिष्ट सुपर मंडी का आज बुधवार को शुभारंभ किया गया। इसके संचालन से किसानों को अपनी उपज के विपणन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी तथा क्षेत्र के आर्थिक एवं व्यावसायिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

बुधवार को राठ रोड पर स्थित विशिष्ट सुपर मंडी का शुभारंभ



विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर द्वारा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व इन्द्र नंदन सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह की उपस्थिति में किया गया है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने मंडी परिसर का अवलोकन किया तथा वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। विशिष्ट सुपर मंडी के प्रारंभ होने से क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों एवं आमजन को बेहतर व्यापारिक सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

इससे कृषि उपज के क्रय-विक्रय को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

इस अवसर एमएलसी जितेंद्र सिंह सेंगर ने कहा कि मंडी के संचालन से किसानों को अपनी उपज के विपणन के लिए बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी तथा क्षेत्र के आर्थिक एवं व्यावसायिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

विसाना में युवक की गोली मारकर हत्या, दोस्त गंभीर घायल

पांच साल पुरानी रंजिश में वारदात को दिया अंजाम, छह-सात हमलावरों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

हाथरस।
चंदपा कोतवाली क्षेत्र के गांव विसाना में बुधवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई। घर के बाहर अपने दोस्त के साथ खड़े 22 वर्षीय युवक पर गांव के ही आधा दर्जन से अधिक हथियारबंद हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गोली लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद अलीगढ़ रेफर किया गया है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, गांव विसाना निवासी मानवेन्द्र सिंह (22) पुत्र



स्वर्गीय राजकुमार चौहान बुधवार की रात अपने दोस्त समीर के साथ घर के बाहर खड़ा था। इसी दौरान गांव के ही छह से सात लोग हाथों में हथियार लेकर वहां पहुंच गए और मानवेन्द्र को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। हमलावरों की ओर से चलाई गई कई गोलियां मानवेन्द्र को लगीं। एक गोली पीठ से होते हुए पेट में जा घुसी, जबकि दूसरी गोली पैर में लगी। शरीर के अन्य हिस्सों में भी गोलियां लगने से मानवेन्द्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

अखिलेश यादव ने सीएम योगी पर लगाया भगवान श्रीकृष्ण के अपमान का आरोप, बोले- ये हार की हताशा है

धार्मिक आस्था और अपमान के मुद्दे पर आमने-सामने आए सत्ता पक्ष और विपक्ष

लखनऊ

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2024, 2026 की हार से डर गये हैं इसीलिए इनके बोल बिगड़ गये हैं। ये 2027 में हमेशा के लिए हारेंगे। अगर ये जीत रहे होते तो हमारी नहीं, अपनी और अपनी उपलब्धि की बात करते। ये जितना बुरा बोलेंगे, उतनी ही बुरी हार हारेंगे।



सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भगवान श्रीकृष्ण को अपमानित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 2027 में अपनी होने वाली हार की हताशा में वो इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि 'गोपालकों''को अपशब्द कहकर प्रकारांतर में गोपाल अर्थात भगवान श्रीकृष्ण का जो अपमान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय ने मंच से किया है वो अक्षम्य है। पहले अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के ह्यचढ़ावा-चंदा-दान' चोरी में एक बड़े गिरोह के साथ संलिप्त रहे और राज न खुल जाए इस डर से उन्हें क्लीन चिट दे दी। अब भगवान कृष्ण पर वार कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ये सनातन धर्म से अलग अपनी सत्ता को स्थापित करने के मंसूबे के कारण ऐसे कुवचन बोल रहे हैं। इसी दुर्भावना के कारण इन्होंने वाराणसी में पाल समाज को लाठी से पिटवाया था और गडरियों के होल्कर समाज से आनेवाली शिवजी की परम भक्त राजमाता देवी अहिल्याबाई जी की शिवलिंग ली हुई प्रतिमा का वाराणसी में घोर तिरस्कार किया था। ये न भगवान शिव के सगे हैं, न भगवान राम के, न भगवान कृष्ण के और न ही देवी अहिल्याबाई जी के। ये इतने कमजोर पड़ गये हैं कि अब उत्तर प्रदेश में किसी और 'दुष्मुखी' को बुलाया जा रहा है। इन दोनों में कई बातें समान हैं , वेशभूषा का स्वांग, दुर्रवचनी जुबान और भगवान राम और भगवान कृष्ण का सरेआम अपमान करना।

जनता कह रही है कि अब इनका प्रभाव शून्य हो गया है। अगर इनका प्रभाव शेष होता तो वो ऐसे असामाजिक व्यक्ति को कभी भी अपने प्रदेश में आने की अनुमति नहीं देते, जो उनके ही दिये गये नारे को सरेआम ठुकराकर समाज को बाँट रहा है।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि व्यक्ति जब कमजोर हो जाता है तो अनैतिक सहारा ढूंढने लगता है। अगर इनमें अंशमात्र भी शक्ति, सामर्थ्य और साहस शेष होगा तो वो ऐसे ईश विरोधी वक्तव्य देनेवालों को उप्र में प्रवेश नहीं करने देंगे लेकिन ये ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि वो भी इन्हीं के विचारवंशी भी हैं और वचनवंशी भी। दोनों एक-दूसरे के पर्याय हैं। पुनः दोहरा रहे हैं क्योंकि एक बार में वो पढ़ नहीं पाते हैं और दस बार में भी समझ नहीं पाते हैं : कृपया सनातनी वस्त्रों को पहनकर इतनी निम्नस्तरीय भाषा न बोलें। अपने व्यक्तित्व के आंतरिक पक्ष को बाहर लाने से पहले सोचें कि आप अभी कुछ दिनों के लिए ही सही, एक सम्प्रदाय के सम्माननीय पद के साथ-साथ एक सांविधानिक पद पर भी विराजमान हैं। अपना श्रीमुख खोलने से पहले, सार्वजनिक मयार्दा के साथ ही, उन पदों की प्रतिष्ठा का भी ध्यान-मान रखें। हार को सामने देखकर बड़े-बड़े विचलित हो जाते हैं और भाषिक मयार्दा की सीमाएं भूलकर शाब्दिक अराजकता पर उतर आते हैं।

आजम खां से मिलने पहुंचे शिवपाल यादव: डासना जेल आए सपा के राष्ट्रीय महासचिव, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

गाजियाबाद

गाजियाबाद जिला कारागार में बंद समाजवादी के कद्दावर नेता आजम खान से मिलने बृहस्पतिवार को सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव पहुंचे। सैकड़ों सपाइयों ने वेदांता टोल प्लाजा पर शिवपाल यादव का स्वागत किया। जहां से उनका काफिला जिला कारागार पर पहुंचा।



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव बृहस्पतिवार को गाजियाबाद जिला कारागार पहुंचे। उनकी यह यात्रा जिला कारागार में बंद समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान से मुलाकात करने के लिए थी।

शिवपाल यादव के आगमन पर सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। यह स्वागत गाजियाबाद के वेदांता टोल प्लाजा पर आयोजित किया गया था। स्वागत के बाद शिवपाल यादव का काफिला जिला कारागार की ओर रवाना हुआ।

जेल पहुंचने पर जेल प्रशासन ने मीडिया कर्मियों को कारागार के पहले गेट के बाहर ही रोक दिया। मीडिया को कारागार के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा ने इस मुलाकात के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आजम खान की मुलाकात जेल के निर्धारित नियमों के अनुसार ही कराई जाएगी

आजम खां फिर गिरफ्तार

अब्दुल्ला आजम के दो पैनकार्ड मामले में जमानत मिलने पर 30 अक्तूबर को रामपुर जेल से बाहर आए सपा नेता आजम खां को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने जेल के गेट से ही गिरफ्तार कर लिया। आजम के जेल से बाहर कदम रखते ही ईडी की टीम अपनी गाड़ी में बैठाकर साथ ले गई।

किसानों और जरूरतमंद परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार : सूर्य प्रताप शाही

देवरिया।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत जिले के नौ पीड़ित परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी और रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए।



कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि जनपद के 24 चयनित कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र मिले हैं। कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के माध्यम से दुर्घटना में प्रभावित परिवारों को आर्थिक संबल दिया जा रहा है। अनंव तूफान और अत्यधिक बारिश से फसलों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति भी सरकार ने उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि निराश्रित महिलाओं, अनाथ बच्चों और दिव्यांगजनों के लिए सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत पात्र बच्चों को पढ़ाई और भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह चार हजार रुपये दिए जाते हैं।

उन्होंने लाभार्थियों से कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए दलालों और बिचौलियों के चक्कर में न पड़ें। पात्र लोग स्वयं पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि परिवार के कमाऊ सदस्य की दुर्घटना में मृत्यु होने पर परिजनों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है। ऐसे परिवारों को सहायता देकर सरकार उनके भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास कर रही है। रामपुर कारखाना विधायक सुरेंद्र चौरसिया ने कहा कि किसानों, गरीबों और निराश्रित परिवारों की मदद सरकार की प्राथमिकता है।

विश्व कुराश चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर काशी लौटीं प्रीति पटेल, हुआ भव्य स्वागत

वाराणसी।

विश्व कुराश चैंपियनशिप 2026 में कांस्य पदक जीतकर काशी का मान बढ़ाने वाली जिले के मथुरापुर भरथरा गांव की बेटी प्रीति पटेल के बुधवार को गृह जनपद पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।



कजाकिस्तान में 04 से 09 नवंबर तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रीति ने 48 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया।

प्रीति पटेल के काशी आगमन पर रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के कोरौता चौराहे पर भाजपा के जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल के नेतृत्व में उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच उन्हें पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल ने कहा कि प्रीति पटेल ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर कांस्य पदक जीतकर न केवल अपने गांव और क्षेत्र, बल्कि पूरे वाराणसी जनपद का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

प्रीति की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य युवा खिलाड़ियों, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उन्होंने प्रीति के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता से जिले में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलेगा।

घर में घुसकर परिवार पर जानलेवा हमला करने के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

बिजनौर।

उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर की थाना स्योहारा पुलिस ने घर में घुसकर एक परिवार के साथ मारपीट और जानलेवा हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए बुधवार को दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि मामले में अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम मंडोरी निवासी रूपा देवी पत्नी कृष्णपाल ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि गांव के ही पंकज कुमार, सतवीर, विजेंद्र कुमार और रोहित ने उनके घर में घुसकर गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपितों ने रूपा देवी, उनके पति कृष्णपाल और पुत्री के साथ लाठी-डंडों व धारदार हथियार से मारपीट की। घटना में परिवार के सदस्यों को चोटें आईं। पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की। इसी क्रम में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए रोहित पुत्र विजेंद्र और सतवीर पुत्र परमा सिंह निवासी ग्राम मंडोरी, थाना स्योहारा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई जारी है।

विंध्य तीर्थ विकास परिषद के भवन पर डीएम की नजर, गुणवत्ता में चूक हुई तो होगी कार्रवाई

मीरजापुर।

जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने बुधवार को विंध्याचल के परसिया में निमार्णाधीन विंध्य तीर्थ विकास परिषद के कार्यालय भवन का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता परखी। कार्यदायी संस्था के अभियंताओं से निर्माण पूरा होने की समय सीमा की जानकारी भी ली।

डीएम ने भवन के भूतल, प्रथम तल, कार्यालय कक्ष, श्रद्धालुओं के प्रतीक्षालय और पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के अभियंताओं से भवन के नक्शे, एस्टीमेट और अब तक कराए गए कार्यों का विवरण लिया।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में हर हाल में पूरा किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को निर्माण में मानक के अनुरूप सीमेंट, सरिया और अन्य सामग्री का इस्तेमाल करने तथा गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करने की हिदायत दी।

डीएम ने अधिशासी अभियंता को निर्माण सामग्री की थर्ड पार्टी जांच कराने और प्रतिदिन कार्य की प्रगति की निगरानी करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह, विंध्य तीर्थ विकास परिषद के अधिकारी और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बागपत में बहन के घर से लौट रहे भाई की सड़क हादसे में मौत

बागपत।

उत्तर प्रदेश के जनपद बागपत में भैया दूज का त्योहार जिस घर में खुशियां लेकर आया था, उसी घर में शाम होते-होते मातम छा गया। बहन के घर से हंसते-खेलते लौट रहे परिवार का ई-रिक्शा गौरीपुर मोड़ पर पलट गया। इस हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। हादसे में भाई की मौत हो गई।

घटना बुधवार दोपहर की है। प्रवेश (42) अपनी पत्नी दीपा (35), बेटी छवि (13) और बेटे वंश (11) के साथ हरियाणा के कुंडली से लौट रहे थे। भैया दूज पर बहन के घर गए थे। परिवार जैसे ही बागपत के गौरीपुर मोड़ के पास पहुंचा अचानक ई-रिक्शा पलट गया। प्रवेश की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी दीपा और दोनों मासूम बच्चे घायल हो गए। मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र के गांव बड़ौदा के रहने वाले प्रवेश फिलहाल बागपत के गांव सिसाना में परिवार के साथ रहते थे। उनकी मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। कोतवाली प्रभारी मनोज चाहल ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कानपुर सेंट्रल पर बड़ा हादसा होने से टला, चौरीचौरा एक्सप्रेस के चार बोगी पटरी से उतरे

कानपुर।

कानपुर सेंट्रल पर बड़ा हादसा होने से टला। ट्रेन के डिरेल होने से मची अफरा तफरी। कानपुर के अनवरगंज से गोरखपुर जा रही 15003 चौरीचौरा एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर बेपटरी हो गई और चार बोगी पटरी से उतर गए।

उप्र में 17 लाख से अधिक युवाओं को मिला कौशल प्रशिक्षण, सात लाख को मिला रोजगार

2017 से अब तक सरकारी विश्वविद्यालयों की संख्या 16 से बढ़कर 26 और निजी विश्वविद्यालयों की 26 से बढ़कर 56 हुई

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को विस्तार, गुणवत्ता, तकनीक और रोजगार से जोड़ने की दिशा में व्यापक बदलाव किए गए हैं। उच्च शिक्षा के संस्थागत विस्तार से लेकर एआई आधारित पढ़ाई, डिजिटल लर्निंग, शोध और कौशल विकास तक सरकार ने बहुआयामी प्रयास किए हैं। इसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश तेजी से उच्च शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का व्यापक विस्तार

आजादी से वर्ष 2017 तक प्रदेश में मात्र 16 सरकारी विश्वविद्यालय थे। वर्ष 2017 से 2022 के बीच तीन और 2022 के बाद पांच नए सरकारी विश्वविद्यालय स्थापित हुए। एक डीम्ड और एक मुक्त विश्वविद्यालय के साथ सरकारी विश्वविद्यालयों की संख्या 26 हो गई है। इसी अवधि में निजी विश्वविद्यालयों की संख्या भी 26 से बढ़कर 56 पहुंच गई। वर्ष 2022 के बाद अकेले 27 निजी विश्वविद्यालय स्थापित हुए। पहली बार जीएलए और आईआईएमटी के दो ऑफ-कैंपस विश्वविद्यालय केंद्र नोएडा में स्थापित हुए। असेवित जिलों में निजी विश्वविद्यालयों को प्रोत्साहन देने के लिए उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति-2024 लागू की गई। राजकीय महाविद्यालयों की संख्या 158 से बढ़कर 261 हो गई है। वहीं, स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों की संख्या छह हजार 681 से बढ़कर आठ हजार 030 पहुंच गई है।

गुणवत्ता, शोध और वैश्विक पहचान पर जोर

उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश के सात संस्थानों को पहली बार एनआईआरएफ रैंकिंग में स्थान मिला और तीन विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में शामिल हुए। पीएम ऊषा (ढट-वरलअ) के तहत अवस्थापना सुविधाओं, शोध, प्रयोगशालाओं और स्मार्ट क्लास के विकास के लिए केंद्र सरकार से 965 करोड़ रुपये का अनुदान मिला, जो देश में सर्वाधिक है। राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ 776 समझौते किए गए हैं। ऑस्ट्रेलिया की वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का परिसर ग्रेटर नोएडा में स्थापित किया जाना प्रस्तावित है।

डिजिटल शिक्षा और एआई से आधुनिक पढ़ाई

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत सीबीसीएस, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, बहुविषयक शिक्षा और भारतीय ज्ञान प्रणाली लागू की गई है। प्रदेश में 239 विषयों के 88 हजार 532 से अधिक ई-कंटेंट उपलब्ध हैं। राजकीय महाविद्यालयों में 251 स्मार्ट क्लास, 83 से अधिक स्मार्ट लैब और 171 ई-लर्निंग पार्क शुरू किए गए हैं।

एआई आधारित शिक्षा को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में सभी 43 पाठ्यक्रमों में एआई आधारित पढ़ाई की व्यवस्था इसका उदाहरण है।

न्यूरोसाइंस में आधुनिक तकनीकों और उपचार पर होगा मंथन

तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश के 200 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक लेंगे हिस्सा रोबोटिक सर्जरी और उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर भी होगी चर्चा

प्रयागराज।

न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में तेजी से हो रही प्रगति, आधुनिक उपचार पद्धतियों और नई तकनीकों से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 से 15 नवंबर तक प्रयागराज में यूपी-यूके न्यूरोकॉन 2026 का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश-विदेश के 200 से अधिक विशेषज्ञ चिकित्सक हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में कम चीरे वाली सर्जरी, रोबोटिक तकनीक, मस्तिष्क और रीढ़ की जटिल बीमारियों के उपचार तथा कृत्रिम



बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग पर विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। आयोजन अध्यक्ष डॉ. मुकुल पांडेय ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विशेषज्ञ चिकित्सकों और युवा डॉक्टरों के बीच ज्ञान, अनुभव और नई चिकित्सा तकनीकों का आदान-प्रदान करना है।

सम्मेलन का विषय 'ब्रिजिंग द फ्यूचरः प्रिसिजन एंड प्रोग्रेस इन न्यूरोसाइंसेज' रखा गया है। इसका आयोजन प्रयागराज न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी तथा मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी विभाग की ओर से किया जा रहा है। मुख्य कार्यक्रम स्टेनली रोड स्थित एएमए कन्वेंशन सेंटर में होगा।

न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार गुप्ता आयोजन सचिव हैं।

डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के पहले दिन 13 नवंबर को सुबह मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पुराने परीक्षा भवन में कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी।

देवरिया : नागरी सभा की मासिक कवि गोष्ठी में कवियों ने बांधा समां

श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी को दी श्रद्धांजलि

देवरिया।

नागरी सभा की मासिक कवि गोष्ठी का आयोजन सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंद्र कुमार दीक्षित की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राम मनोहर मिश्र माहिर की वाणी वंदना 'कृपा करि द बरदनवा हो शारदा भवानी' से हुआ। इसके बाद उपस्थित कवियों ने विविध भाव, रस और छंदों से सजी अपनी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गोष्ठी में विकास तिवारी विक्की ने 'एक बोतल जिसमें भरा था पानी' कविता सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। मुकेश पांडेय ने 'मत मारो तुम हमें गर्भ में, हम तो सोन चिरइया हैं, हे बाबू हे भइया, हम तो भविष्य रचइया हैं' गीत प्रस्तुत कर भ्रूण हत्या के खिलाफ भावपूर्ण संदेश दिया। नीरजा सिंह ने 'जिंदगी से न इतनी शिकायत करो, जिंदगी से जरा सी मोहब्बत करो' गीत के माध्यम से जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। पार्वती देवी गौरा ने 'जीवन के सांध्य काल में आलस कभी न करिए' गीत सुनाया।

उरई की ड्रग्स फैक्ट्री से जुड़ा वांछित 50 ग्राम एमडी के साथ गिरफ्तार

कानपुर।

उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के फजलगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पुराने गोविंद नगर पुल के नीचे रेलवे लाइन किनारे चेकिंग के दौरान पुलिस ने डीआरआई और एटीएस के वांछित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से 50 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद हुआ है। वह उरई में मेफेड्रोन बनाने की फैक्ट्री पकड़े जाने के बाद से फरार चल रहा था।

अपर पुलिस उपायुक्त मध्य डॉ. अर्चना सिंह ने बुधवार को बताया कि 29 अक्टूबर को डीआरआई और एटीएस की



संयुक्त टीम ने उरई के ऐरी रमपुरा गांव में गुलाबजल बनाने की आड़ में संचालित मेफेड्रोन बनाने की फैक्ट्री पकड़ी थी। जांच में कानपुर के रिजवान अहमद का नाम सामने आया था। वह फैक्ट्री में कच्चे माल की सप्लाई और तैयार नशीले पदार्थ को देश के अलग-अलग शहरों में भेजने के नेटवर्क से जुड़ा था। घटना के बाद से ही वह फरार चल रहा था।

पुलिस के मुताबिक, मंगलवार की रात करीब तीन बजे फजलगंज पुलिस और स्वाट टीम सेंट्रल जोन पुराने गोविंद नगर पुल के नीचे रेलवे लाइन किनारे चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध हालत में मिले रिजवान अहमद को रोककर तलाशी ली गई तो उसके पास से 50 ग्राम मेफेड्रोन बरामद हुआ। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने बताया कि फैक्ट्री पकड़े जाने के बाद वह मुंबई चला गया था और वहीं फरारी काट रहा था। पैसों की कमी होने पर पहले से मौजूद नशीले पदार्थ को बेचने के इरादे से गोविंदपुरी स्टेशन जा रहा था, तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

जांच में मुंबई के धारावी निवासी खयामुद्दीन उर्फ खय्याम सैय्यद का नाम गिरोह के मुख्य सरगना के रूप में सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, उसके विदेशों में बैठे ड्रग तस्करों से संपर्क होने के साक्ष्य भी जांच एजेंसियों को मिले हैं। पूछताछ में कानपुर के अरबाज कट्टा, दानिस, शैलू उर्फ शालू बाबा और हसीन बाबू समेत अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। इन लोगों की मदद से उरई में कच्चा माल पहुंचाकर मेफेड्रोन तैयार कराने और उसकी सप्लाई कराने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, इससे पहले फजलगंज पुलिस ने इसी नेटवर्क से जुड़े नजमुद्दीन को 101 ग्राम मेफेड्रोन के साथ गिरफ्तार किया था। मुंबई में भी गिरोह के सदस्यों के पास से मेफेड्रोन बरामद हो चुका है। फिलहाल पुलिस सर्विलांस और स्वाट टीम की मदद से अन्य आरोपितों की तलाश कर रही है। जांच एजेंसियों के साथ सूचनाएं साझा कर पूरे नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है।

रवि दुबे ने 21 साल के लंबे इंतजार के बाद बड़े पर्दे पर रखा कदम

रवि दुबे ने नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म रामायण में लक्ष्मण का रोल अदा किया है. रवि दुबे को बड़े पर्दे पर देख उनकी पत्नी सरगुन मेहता के उत्साह का ठिकाना नहीं रहा है. सरगुन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने पति पर प्यार लुटाया है.



रवि दुबे और सरगुन मेहता टीवी जगत के सबसे पॉपुलर कपल्स में शुमार रहे हैं. दोनों की पहली मुलाकात टीवी सीरियल के सेट पर हुई थी. कई साल तक डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा. रवि और सरगुन अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ लवी-डबी पोस्ट शेयर करते रहते हैं. दिवाली के मौके पर भी दोनों ने अपने कपल गोल्स वाली फोटोज शेयर की हैं. रवि और सरगुन ने धूम-धाम से दिवाली मनाई. उनकी खूबसूरत फोटोज चर्चा का विषय बनी हुई हैं.

फैंस इनपर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं. सरगुन ने अपने इंस्टाग्राम पर रवि के साथ दिवाली सेलिब्रेशन की फोटोज शेयर की हैं जिनमें उनका पेट डॉग भी दिख रहा है. सरगुन ने ब्लू कलर का सूट पहना है जिसे उन्होंने पर्पल रंग की चुन्नी के साथ पेयर किया है. वहीं रवि दुबे ने व्हाइट रंग का सिंपल कुर्ता पहना था जिसमें वो काफी चार्मिंग लग रहे थे. एक तस्वीर में कपल को फुलझड़ी जलाते देखा जा सकता है. दोनों की शानदार केमिस्ट्री इन तस्वीरों में साफ झलक रही है. रवि दुबे और सरगुन की मुलाकात साल 2009 में टेलीकास्ट होने वाले सीरियल '12/24 करोल बाग' के सेट पर हुई थी. ये सीरियल सिर्फ एक साल ही टेलीकास्ट हुआ था लेकिन इसके सेट पर दोनों का प्यार परवान चढ़ा जो आज भी कायम है.

दिवाली पर बारिश में भीगते रहे रजनीकांत के फैंस

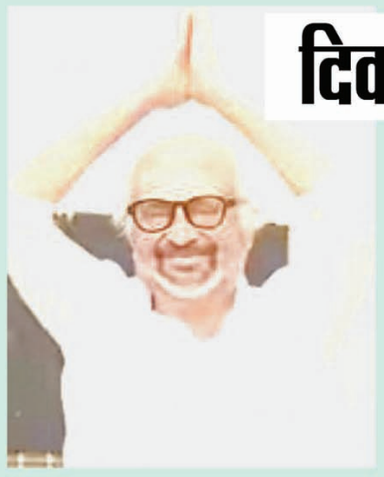

रजनीकांत के फैंस की दीवानगी का आलम ही कुछ और है। रविवार को दिवाली के मौके पर चेन्नई में बारिश हो रही थी। लेकिन बावजूद इसके सैकड़ों फैंस उनके घर के बाहर जमा थे। टस से मस नहीं हो रहे थे। ऐसे में जब थलाइवा फैंस से मिलने पहुंचे तो उनकी एक झलके बाद जो शोर मचा, वह देखने लायक है। दिवाली का दिन सुपरस्टार रजनीकांत के फैंस के लिए दोहरी खुशियां लेकर आया। एक तरफ त्योहार का जोरदार जश्न था, वहीं दूसरी तरफ थलाइवा ने घर के बाहर रविवार को सैकड़ों फैंस जमा हुए। काफी देर इंतजार के बाद चेन्नई में घर के बाहर तब जबरदस्त शोर और उमंग की लहर दौड़ पड़ी, जब रजनीकांत बाहर आए और फैंस से मिले। उन्होंने घर के दरवाजे के पीछे कुर्सी पर खड़े होकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। सभी को दीपावली की बधाई दी। इस खूबसूरत मंजर का वीडियो सामने आया है, जिसमें फैंस का उत्साह देखने लायक है। रजनीकांत के फैंस के लिए यह दिवाली इसलिए भी खास है कि सुपरस्टार की फिल्म 'जेलर 2' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। 15 अक्टूबर 2026 को रिलीज इस सीक्वल फिल्म ने 26 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 470.40 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। जबकि रिकॉर्डतोड़ 827.00 करोड़ की वर्ल्डवाइड कमाई कर ली है। यह तमिल सिनेमा की पहली फिल्म है, जिसने दुनियाभर में 800 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार किया है।

उत्तराखंड परफॉर्मेंस विवाद पर दलेर मेहंदी ने तोड़ी चुप्पी

मैंने जो झेला, वो बता नहीं सकता...

'उत्तराखंड मेला' विवाद पर पहली बार दलेर मेहंदी ने अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि मैंने जो झेला, उसने मुझपर ऐसा असर डाला, जिसे बयान करना भी मुश्किल है. उन्होंने सपोर्ट के लिए सबका शुक्रिया किया. उत्तराखंड में मां कुंजापुरी टूरिज्म एंड डेवलपमेंट मेले में परफॉर्मेंस के दौरान हुए 'शराब और लिपसिंक' विवाद पर पहली बार सिंगर दलेर मेहंदी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है. दिवाली के खास मौके पर उन्होंने उस विवाद में सपोर्ट करने के लिए तमाम फैंस, फैमिली और फिल्म इंडस्ट्री के साथियों का शुक्रिया अदा किया है. उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल ने कार्यक्रम के दौरान उनपर शराब पीकर परफॉर्म करने और खुद गाने की बजाय गानों पर लिपसिंक करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद दलेर मेहंदी के भाई और सिंगर मीका सिंह समेत कई सितारों ने उनके लिए आवाज उठाई थी. इंस्टाग्राम पर जारी दो पन्नों के बयान में दलेर मेहंदी ने लिखा है, 'इस दिवाली मैं खास तौर पर आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. जिस भी स्टेज पर मैं गया, मेरे संगीत की वजह से कई सालों से मुझे खूब प्यार मिला है, पर कुछ दिनों पहले मैंने जो झेला, उसने मुझपर ऐसा असर डाला है, जिसे शब्दों में बयान करना भी मुश्किल है.

'मैंने आपकी दुआओं को महसूस किया'

दलेर मेहंदी ने पोस्ट में लिखा है कि मैंने आपके संदेश पढ़े, आपकी बातें सुनीं और आपकी दुआओं को महसूस किया. इन सबके बीच मैं खुद को बेहद भाग्यशाली और आपका आभारी महसूस कर रहा हूं. आगे उन्होंने कहा कि इस पूरे वक्त में उनका परिवार उनकी सबसे बड़ी ताकत की तरह उनके साथ रहा. उन्होंने मीका सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि मेरा भाई मीका मेरे लिए एक ऐसी ताकत बनकर खड़ा हुआ, जिसका सामना करना आसान नहीं था. उन्होंने पोस्ट में अपनी पत्नी तरन, बेटे गुरदीप और बेटी रबाब, अजित और प्रभजोत की भी सराहना की. उनहोंने पोस्ट में लिखा, 'पूरी म्यूजिक और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री, भारत के कोने-कोने से मुझसे संपर्क करने वाले सभी लोगों, मेरे फैंस और पूरे देश का शुक्रिया. आपने मुझे प्यार, विश्वास और सम्मान का जो सरोपा दिया है, उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं. '



सुनील ग्रोवर ने दीवाली पर सड़क किनारे बैठ बच्चियों संग बेची फूल-माला



सुनील ग्रोवर ने एक बार फिर अपने प्यारे जेस्चर से हर किसी का दिल जीत लिया है। उन्होंने सड़क किनारे तीन बच्चियों के साथ बैठकर फूल बेचा। मालाएं लेकर बैठे सुनील ग्रोवर की हर कोई तारीफ कर रहा है। कुछ लोगों ने तो उन्हें 'असली हीरो' भी कहा।

सुनील ग्रोवर ने बेचे फूल

एक्टर और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर हमेशा ही अपनी किसी न किसी हरकत से फैंस का दिल जीत लेते हैं। एक बार फिर से दिवाली पर भी कुछ ऐसा ही हुआ और एक्टर ने फिर से अपने चाहने वालों का दिल जीत लिया। सुनील ग्रोवर ने दिवाली पर सड़क किनारे बैठकर फूल वाले दुकानदारों के साथ फूल बेचा। वो फूल-माला बेचने वाली छोटी बच्चियों संग बैठकर मालाएं बेचते हुए दिखे।

सुनील ग्रोवर ने जब से ये फोटो शेयर की है, फैंस उन्हें और भी अधिक पसंद कर रहे हैं। फूल बेचते हुए उन्होंने अपनी तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी दिवाली सबको।'

सुनील ग्रोवर के लिए फैंस का उमड़ा प्यार

फोटो पर उनके फैंस ने दिल खोलकर कमेंट्स किए और सबने तारीफ ही की। एक ने लिखा, 'एक ही दिल कितनी बार दिल जीतोगे भाई।' एक ने कहा, 'क्या चीज हो आप।' एक फैन ने कहा, वाह, 'आप कितने डाउन टू अर्थ हैं।' एक ने लिखा- आपका मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

सुनील ग्रोवर की हिट मिमिक्री

सुनील ग्रोवर ने फिल्मों और OTT शो में अपने काम से बार-बार साबित किया है कि वे हर तरह के किरदार निभाने में माहिर हैं। हालांकि, जब भी वे 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के मंच पर आते हैं, तो एक जादू सा बिखेर देते हैं। सलमान खान, आमिर खान, नवजोत सिंह सिद्धू, कपिल देव, गुलज़ार और कादर खान जैसी कई मशहूर हस्तियों की बेहतरीन मिमिक्री करके दर्शकों को प्रभावित करने वाले सुनील ग्रोवर, इस बार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में नजर आए।

अटल बिहारी वाजपेयी बनकर सुनील ने जीता दिल

शो के मेकर्स ने हाल ही में आने वाले एपिसोड का एक प्रोमो जारी किया, जिसमें सुनील पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के अंदाज में 'सरल बिहारी वाजपेयी' बनकर सामने आते हैं। जैसे ही वे मंच पर आते हैं, दर्शक, जज नवजोत सिंह सिद्धू और अर्चना पूरन सिंह, वहां मौजूद मेहमान उन्हें हैरानी और तारीफ भरी नजरों से देखते रह जाते हैं।

समय रैना ने मेधा शंकर संग मनाई दिवाली



समय रैना के फैंस कयास लगा रहे हैं कि क्या कॉमेडियन ने मेधा शंकर के साथ अपना रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है, क्योंकि दिवाली पार्टी में दोनों एक साथ मौज करते दिखे। यहां तक कि स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी को भी समय के साथ देखा गया।

पार्टी में कई जाने-पहचाने चेहरे

इस पार्टी में मनोरंजन जगत और कॉमेडी की दुनिया के कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए, जिनमें वरुण धवन, मुनव्वर फारुकी, आशीष चंचलानी, कीकू शारदा, सिद्धांत चतुर्वेदी, वीर पहाड़िया, जाकिर खान, शेरोन वर्मा और बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट स्काउटओपी की गर्लफ्रेंड काशवी हीरानंदानी समेत कई अन्य लोग मौजूद थे। इस पार्टी में मेधा को भी समय की मां, स्वीटी रैना के साथ देखा गया।

समय रैना की दिवाली पार्टी

स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना ने मुंबई स्थित अपने नए घर पर रखी दिवाली पार्टी की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे '12वीं फेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के साथ नजर आ रहे हैं। इन दोनों के डेट करने की अफवाहों के बीच यह तस्वीर सामने आई है। मेधा गहरे लाल रंग के अनारकली सूट में बहुत प्यारी लग रही थीं, जिस पर सुनहरे रंग का काम था; वहीं समय ने आइवरी रंग का कढ़ाई वाला कुर्ता और सफेद पजामा पहना था। समय ने पहले ही जश्न की कुछ झलकियां शेयर की थीं, जिनसे पता चला कि उन्होंने मुंबई में अपने नए घर पर दिवाली की एक छोटी सी पार्टी रखी थी। उन्होंने लिखा, 'मुंबई में अपने नए घर पर एक घरेलू दिवाली पार्टी रखी। इसमें मैंने अपने दोस्तों और उनके माता-पिता को भी बुलाया था, बहुत बढ़िया माहौल रहा।'



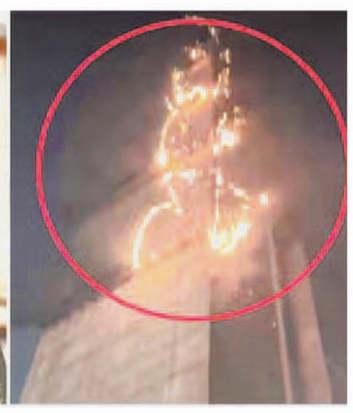

फराह खान ने फर्जी वीडियो रिपोर्ट्स पर लगाई जमकर फटकार, कहा– जिम्मेदार बनें!

फराह खान ने पर अपने घर में आग लगने की फर्जी खबरों पर फटकार लगाई है। फिल्ममेकर ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा ही वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके घर में आग लगने के फर्जी दावे किए गए थे। फराह ने दो टूक शब्दों में ऐसे रिपार्टस के लिए जिम्मेदार बनने' की सलाह दी है। बॉलीवुड की मशहूर फिल्ममेकर-कोरियोग्राफर और अब व्लॉगर फराह खान भड़क गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल उन रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज किया है, जिसमें दावा किया गया कि दिवाली के मौके पर उनके घर में आग लग गई है। 61 साल की फराह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक ऐसे ही वीडियो को शेयर कर फटकार लगाई है। फराह ने साफ किया कि ऑनलाइन शेयर किए जा रहे ऐसे वीडियोज असल में एक निर्माणाधीन इमारत के हैं।



क्या टूटने से बचा चीची का रिश्ता?

पत्नी सुनीता बोलीं- 40 साल पुरानी शादी क्यों नहीं टिकेगी

अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच का तनाव बीते दिनों काफी चर्चा का विषय रहा। कपल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। मगर अब सुनीता ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपने रिश्ते को बचाने के बारे में काफी कुछ कहा।

रिश्ते पर क्या बोलीं सुनीता?

सुनीता आहूजा ने गोविंदा और उनकी को-स्टार पर अफेयर के आरोप लगाए थे। हाल ही में पिंकविला से हुई बातचीत में सुनीता ने कहा, 'यह 40 साल पुरानी शादी है, आखिर क्यों नहीं टिकेगी? सब ठीक है, वो वही कर रहे हैं, जो उन्हें पसंद है। मैं काम कर रही हूं और मेरा पूरा ध्यान काम पर ही है, लेकिन इस जन्म में हमें कोई कभी अलग नहीं कर सकता। बाकी, मैंने सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दिया है. भगवान के अलावा मैं किसी से कुछ नहीं मांगती। उनके लिए और मेरे लिए जो भी सही होगा, भगवान हमारे साथ वही करेंगे।'



बच्चों को नहीं करना चाहती पिता से अलग

बीते दिनों सुनीता आहूजा ने टॉल टेल्स कोलकाता में सुनीता ने कहा, 'मैं ऐसी इंसान नहीं हूं, जो बच्चों से कहे कि वे अपने पिता को छोड़ दें। यह उनका अपना फैसला है। मेरा मतलब है, ऐसा कहना बेकार है क्योंकि वे उनके पिता हैं। उन्हें भी इस बारे में सोचना चाहिए। सिर्फ महिलाओं को ही क्यों सोचना चाहिए? महिलाएं डिप्रेशन में क्यों रहें?'



शाम को फोन आया, घर से निकला दीपक... सुबह गांव के बाहर मिला शव

● प्रेम प्रसंग की चर्चा से गहराया मौत का रहस्य

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद





जहानगंज थाना क्षेत्र के नगला चाहर गांव में गुरुवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब गांव से कुछ दूरी पर एक युवक का शव पड़ा मिला। मृतक की पहचान दीपक राजपूत के रूप में हुई। शाम को घर से निकले युवक का शव अगली सुबह मिलने से परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मामले की गहन जांच की मांग की है।

परिजनों के मुताबिक, बुधवार शाम दीपक के मोबाइल पर किसी का फोन आया था। बातचीत के बाद वह घर से निकल गया, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। गुरुवार सुबह करीब साढ़े छह बजे परिवार को गांव के बाहर उसका शव मिलने की सूचना मिली। बहन प्रीति ने बताया कि दीपक का एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। फोन आने के बाद उसका घर से निकलना और फिर संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलना कई सवाल खड़े कर रहा है।

दीपक के बड़े भाई जबर सिंह ने बताया कि बुधवार शाम परिवार के सभी लोगों ने साथ बैठकर खाना खाया था। इसके बाद वह गांव में आयोजित रामलीला देखने चले गए। दीपक बोरिंग मशीन से समरसेबल की बोरिंग करने का काम करता था। उसके पिता की करीब दस साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में मां गुड्डी देवी, तीन भाई और तीन बहनें हैं। जवान बेटे की मौत से मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

शव मिलने की सूचना पर डायल 112 की पुलिस के साथ थाना पुलिस, क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। डॉग स्क्वायड को भी जांच में लगाया गया। खोजी कुत्ता घटनास्थल से पास के आम के बाग तक गया, लेकिन फिर वापस लौट आया। युवक के शरीर पर चोट के स्पष्ट निशान नहीं मिलने की बात सामने आई है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। परिजनों की तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस फोन कॉल, युवक के घर से निकलने के घटनाक्रम और अन्य संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बुधवार शाम दीपक को किसका फोन आया था और उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई

युवक ने सरेराह ताना तमंचा, फायर करने की कोशिश का वीडियो वायरल

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

जिले में तमंचा लिए एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में युवक खुलेआम तमंचा लहराते हुए दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि युवक ने तमंचे से फायर करने की भी कोशिश की, लेकिन गोली नहीं चली। घटना का वीडियो सामने आने के बाद इलाके में चर्चा तेज हो गई है।

जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो फर्रुखाबाद के सेंट्रल जेल चौराहे के पास का बताया जा रहा है। यह वीडियो करीब दो दिन पुराना होने की बात कही जा रही है। वीडियो में एक युवक हाथ में तमंचा लेकर दिखाई दे रहा है। वह तमंचे को तानकर फायर करने का प्रयास करता नजर आता है, लेकिन तमंचे से गोली नहीं चलती।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सार्वजनिक स्थान के पास इस तरह हथियार लहराने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर युवक की पहचान, घटना के पीछे की वजह और पुलिस की कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। मामले में पुलिस की आधिकारिक पुष्टि और जांच के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

घर में घुसकर पिता-पुत्र से मारपीट, जान से मारने की धमकी

फर्रुखाबाद। थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ी साकिर अली में घर में घुसकर पिता-पुत्र के साथ गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित रामप्रकाश शाक्य पुत्र कुन्दनलाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि उमेश यादव पुत्र रामनरेश समेत चार लोगों ने उनके घर में घुसकर उनके और उनके पुत्र के साथ मारपीट की। आरोप है कि अभियुक्तों ने गाली-गलौज करने के साथ जान से मारने की धमकी भी दी।

रास्ता घेरकर पिता-पुत्री से मारपीट, ईंट-पत्थर चलाने का आरोप

फर्रुखाबाद। थाना कादरीगेट क्षेत्र के ग्राम नगला मसैनी में रास्ता घेरकर एक महिला के पुत्र और पुत्री के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। वादिनी ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि शिवम यादव पुत्र नामालूम निवासी ग्राम नगला मसैनी समेत चार लोगों ने उसके पुत्र और पुत्री के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की। आरोप है कि अभियुक्तों ने जान से मारने की धमकी दी, रास्ता घेरा और ईंट-पत्थर भी चलाए।

मीटर में शॉर्ट सर्किट से ई-रिक्शा में लगी आग, एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद

मीटर में शॉर्ट सर्किट से ई-रिक्शा में लगी आग, एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान

फर्रुखाबाद। जिले के शमशाबाद कस्बे में रात बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग की चपेट में आकर घर के बाहर चार्जिंग पर लगा ई-रिक्शा जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने की बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार रात घर के बाहर ई-रिक्शा चार्जिंग पर लगा हुआ था। इसी दौरान बिजली मीटर में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने ई-रिक्शा को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की घटना से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

आग से ई-रिक्शा बुरी तरह जल गया। घटना में एक लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। मीटर में शॉर्ट सर्किट के कारण हुई इस घटना के बाद बिजली व्यवस्था और चार्जिंग के दौरान सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। घटना के कारण ई-रिक्शा मालिक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

राजेपुर सीएचसी में ऑपरेटर के देर से पहुंचने पर पर्चे बनने में देरी, मरीजों को एक घंटे करना पड़ा इंतजार

फर्रुखाबाद। जिले के राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में गुरुवार सुबह ऑनलाइन पर्चे बनने में देरी होने से मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कंप्यूटर ऑपरेटर के समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने के कारण मरीजों को पर्चा बनवाने के लिए करीब एक घंटे तक कतार में खड़ा रहना पड़ा। इस दौरान अस्पताल में मरीजों की भीड़ लगी रही। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह राजेपुर सीएचसी में इलाज कराने पहुंचे मरीजों को ऑनलाइन पंजीकरण के लिए इंतजार करना पड़ा। कंप्यूटर ऑपरेटर के देर से पहुंचने के कारण पर्चे बनाने का काम समय पर शुरू नहीं हो सका। इससे मरीजों की लंबी कतार लग गई और लोगों को काफी देर तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। अस्पताल में ऑनलाइन पर्चा बनवाने की व्यवस्था होने के कारण मरीजों को मोबाइल फोन और ओटीपी से जुड़ी परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। मोबाइल फोन उपलब्ध न होने और ओटीपी की समस्या के चलते कई मरीजों का पंजीकरण नहीं हो सका। इससे मरीजों की परेशानी और बढ़ गई।

सड़क की जमीन पर वन विभाग का कब्जा? महज 3-4 फीट की दूरी पर लगाए जा रहे फेंसिंग के खंभे, आईजीआरएस पर पहुंची शिकायत

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



जनपद में वन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर एक नया मामला सामने आया है। सड़क किनारे महज तीन से चार फीट की दूरी पर लोहे के खंभे लगाकर फेंसिंग किए जाने का मामला अब मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल तक पहुंच गया है। सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र अग्रवाल ने इस संबंध में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि विभाग द्वारा सड़क के किनारे निर्धारित सीमा का ध्यान रखे बिना फेंसिंग के खंभे लगाए जा रहे हैं, जिससे लोक निर्माण विभाग की सड़क की जमीन प्रभावित होने की आशंका है।

सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि संबंधित सड़क लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधीन है। सड़क के दोनों ओर की जमीन भी विभाग के सड़क सीमा अधिकार क्षेत्र (राइट ऑफ वे) में आती है। इसके बावजूद वन विभाग द्वारा सड़क से महज तीन-चार फीट की दूरी पर लोहे के खंभे लगाए जा रहे हैं। उन्होंने शिकायत में मांग की है कि वन विभाग अपनी फेंसिंग जंगल की वास्तविक और निर्धारित सीमा पर कराए, न कि सड़क की पटरी को घेरकर।

जितेन्द्र अग्रवाल का कहना है कि सड़क के इतने करीब फेंसिंग के खंभे लगाए जाने से सड़क की उपलब्ध जमीन प्रभावित हो सकती है। यदि भविष्य में सड़क का चौड़ीकरण कराया जाता है तो इन खंभों के कारण निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा सड़क के किनारे खंभे और फेंसिंग होने से वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विशेषकर रात के समय पर्याप्त रोशनी न होने पर दुर्घटनाओं की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने इस मामले में तीन-चार दिन पूर्व ही मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर सीपीसी शिकायत दर्ज कराकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया है। शिकायत के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से मौके पर जांच कराने और सड़क की वास्तविक सीमा का निर्धारण कराने की मांग की गई है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि वन विभाग द्वारा लगाए जा रहे इन खंभों की जगह निर्धारित सीमा के अनुरूप है या नहीं? क्या संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर पहुंचकर लोक निर्माण विभाग की जमीन और वन विभाग की वास्तविक सीमा का संयुक्त निरीक्षण करेंगे? आईजीआरएस पर शिकायत दर्ज होने के बाद अब लोगों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। फिलहाल यह मामला जांच और कार्रवाई का विषय बना हुआ है।

स्टेशन के पास मिला दिल्ली के युवक का शव

यूथ इंडिया, कायमगंज (फर्रुखाबाद)



कायमगंज रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे एक 37 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान दिल्ली के सोनिया विहार निवासी जितेंद्र पुत्र पन्नालाल के रूप में हुई।

जानकारी के मुताबिक, जितेंद्र दीपावली की शाम घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। गुरुवार सुबह रेलवे स्टेशन के पास शव मिलने की सूचना पर उसके ससुरालीजन मौके पर पहुंचे और उसकी पहचान की। जितेंद्र की ससुराल कायमगंज क्षेत्र के नवाबगंज कस्बे की मुल्ला वाली गली में है।

मृतक के साले धर्मेंद्र पुत्र रामकिशोर ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर घटना की जानकारी दी। ससुरालीजनों के मुताबिक, जितेंद्र शराब पीने का आदी था। उन्होंने आशंका जताई कि नशे की हालत में वह रात को सड़क किनारे लेट गया होगा और ठंड लगने से उसकी मौत हो गई होगी। हालांकि, मौत की यह वजह अभी पुष्ट नहीं हुई है।

सूचना पर कस्बा इंचार्ज इमरान फरीद पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने मौके की जांच कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी सूचना दी और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की।

जितेंद्र अपने पीछे 10 वर्षीय बेटे आशीष को छोड़ गया है। अचानक हुई इस घटना से परिवार में दुख का माहौल है। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

शमशाबाद के तीन प्रमुख चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे, अपराध और यातायात पर रखी जाएगी नजर

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



शमशाबाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए पुलिस ने तीन प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए हैं। थाना चौराहा, ढाई घाट पुल और मंडी समिति चौराहे पर चार-चार हाई रेजोल्यूशन कैमरे लगाए गए हैं। इस पहल से अब इन प्रमुख स्थानों पर होने वाली गतिविधियों पर पुलिस की नजर रहेगी।

जानकारी के अनुसार, शमशाबाद पुलिस ने क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। तीनों स्थानों पर कुल 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से आने-जाने वाले वाहनों और लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी।

पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी कैमरे लगने से आपराधिक घटनाओं की रोकथाम और जांच में मदद मिलेगी। किसी भी घटना के बाद कैमरों की फुटेज के आधार पर संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाना आसान होगा। इसके साथ ही प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था की निगरानी भी की जा सकेगी।

थाना चौराहा, ढाई घाट पुल और मंडी समिति चौराहा क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थान हैं। यहां लोगों और वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में इन स्थानों पर कैमरे लगने से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पुलिस की इस पहल से क्षेत्र में निगरानी व्यवस्था बेहतर होने के साथ ही अपराध नियंत्रण और यातायात प्रबंधन में भी सहायता मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

छठ पूजा सिर पर, पांचालघाट पर गंदगी का अंबार

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



छठ पूजा का पर्व नजदीक है, लेकिन शहर के प्रमुख धार्मिक स्थल पांचालघाट पर तैयारियां अब तक अधूरी हैं। गंगा किनारे जगह-जगह कूड़े के ढेर, बिखरी पूजन सामग्री और विसर्जित मूर्तियां घाट की बदहाली बयां कर रही हैं। सफाई और मरम्मत न होने से छठ व्रतियों को गंदगी के बीच पूजा करने की चिंता सता रही है।

फर्रुखाबाद शहर और फतेहगढ़ के करीब 50 परिवार पांचालघाट पर छठ पूजा करते हैं। चार दिवसीय पर्व 13 नवंबर को नहाय-खाय के साथ शुरू होगा। 14 नवंबर को खरना पूजन के बाद व्रती महिलाएं 36 घंटे का निर्जला व्रत रखेंगी। 15 नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पर्व का समापन होगा।

घाट की स्थिति यह है कि गंगा किनारे जगह-जगह पुरानी मूर्तियां और पूजन सामग्री पड़ी हुई है। कुछ लोग मूर्तियों को विसर्जन के बाद किनारे ही छोड़ गए हैं, जबकि अन्य पूजन सामग्री पॉलिथीन में भरकर घाट पर डाल दी गई है। इससे धार्मिक स्थल पर गंदगी फैल रही है। छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, लेकिन अब तक सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई है।

पिछले दिनों आई बाढ़ के कारण पांचालघाट पर कई स्थानों की बालू कट गई थी। इससे घाट की स्थिति भी प्रभावित हुई है। पूजा के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के लिए मरम्मत की जरूरत है, लेकिन पर्व नजदीक होने के बावजूद अब तक इस दिशा में काम शुरू नहीं हुआ है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, हर साल छठ पूजा से पहले जिला पंचायत, ग्राम प्रधान और नगर पालिका की ओर से घाटों की सफाई और व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जाती हैं। इस बार तैयारियों में देरी को लेकर लोगों में नाराजगी है। श्रद्धालुओं का कहना है कि आस्था के इस बड़े पर्व पर प्रशासन को समय रहते सफाई, कूड़ा निस्तारण और घाट की मरम्मत करानी चाहिए, ताकि व्रती महिलाओं को गंदगी और अव्यवस्थाओं के बीच सूर्य को अर्घ्य देने के लिए मजबूर न होना पड़े।

पत्नी से कहासुनी के बाद युवक ने उठाया खतरनाक कदम, सीएचसी में भर्ती

यूथ इंडिया, कमालगंज



कमालगंज थाना क्षेत्र के नारायणपुर गढ़िया गांव में बुधवार को पति-पत्नी के बीच हुए मामूली विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। विवाद से आहत युवक ने घर में रखा जहरीला पदार्थ पी लिया, जिससे उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी अनुज, पुत्र रामबाबू, की पत्नी से उसके मायके जाने को लेकर कहासुनी हो गई थी। बताया जा रहा है कि अनुज ने पत्नी को मायके जाने से मना किया था, इसी बात पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया।

विवाद के बाद अनुज ने नशे की हालत में घर में रखी डाई पी ली। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी। यह देखकर परिजनों और ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में उसे कमालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

सीएचसी में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर विकास पटेल ने युवक का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार समय पर अस्पताल पहुंच जाने से युवक की जान बच गई। फिलहाल उसका उपचार चल रहा है और उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।

उप कृषि कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का संदिग्ध परिस्थितियों में मिला शव, दुर्गंध उठने पर मचा हड़कंप

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



उप कृषि कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया, जब कार्यालय के अंदर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। कई दिनों से कार्यालय बंद होने के कारण शव से दुर्गंध उठने लगी थी। गुरुवार सुबह जब कर्मचारी कार्यालय पहुंचे तो अंदर से आ रही तेज दुर्गंध ने उन्हें चौंका दिया। जांच करने पर कार्यालय के अंदर कर्मचारी का शव मिलने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

मृतक की पहचान होशियार सिंह यादव (चपरासी) पुत्र फेरू सिंह निवासी राजा नगला, फतेहगढ़ के रूप में हुई है। बताया गया कि होशियार सिंह यादव उप कृषि कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात थे और उनकी रात्रि ड्यूटी कार्यालय में ही रहती थी। दीपावली के त्योहार के चलते बीती 7 नवंबर से कार्यालय बंद चल रहा था। ऐसे में कर्मचारी कई दिनों तक कार्यालय नहीं पहुंचे थे।

गुरुवार सुबह जब कार्यालय के कर्मचारी पहुंचे तो अंदर से दुर्गंध आने पर उन्हें किसी अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद कार्यालय के अंदर जाकर देखा गया तो होशियार सिंह यादव का शव पड़ा मिला। शव मिलने की जानकारी फैलते ही आसपास के क्षेत्र में भी लोगों की भीड़ जुट गई।

सूचना मिलते ही थाना कादरी गेट पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी। क्षेत्राधिकारी नगर अभय वर्मा भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना से संबंधित जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की।

बताया जा रहा है कि मृतक शराब पीने का आदी था, हालांकि उसकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कार्यालय कई दिनों से बंद होने के कारण मौत का सही समय भी स्पष्ट नहीं हो सका है। कर्मचारी की मौत की खबर से विभागीय कर्मचारियों और परिचितों में शोक का माहौल है।

पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि कर्मचारी की मौत कब और किन परिस्थितियों में हुई।

चोरी, फायरिंग और हत्या... चुनौतियों के भंवर में थाना जहानगंज

● चार्ज संभालते ही बढ़ीं प्रभारी ब्रजमोहन पाल की मुश्किलें

यूथ इंडिया, फर्रुखाबाद



दीपावली के दौरान थाना जहानगंज की कमान संभालने वाले प्रभारी ब्रजमोहन पाल के लिए क्षेत्र की कानून व्यवस्था संभालना किसी अग्निपरीक्षा से कम साबित नहीं हो रहा है। चार्ज लेने के बाद से ही एक के बाद एक घटनाएं सामने आ रही हैं। कभी चोरी, कभी फायरिंग तो कभी हत्या की वारदात ने पुलिस की चुनौती बढ़ा दी है। गुरुवार को सरवर आलमपुर में हुई हत्या ने एक बार फिर थाना क्षेत्र की कानून व्यवस्था को सुर्खियों में ला दिया है।

थाना प्रभारी की तैनाती के दौरान ही दीपावली के बीच झसी गांव में चोरी की घटना हो गई। इसके बाद थाना क्षेत्र के एक ढाबे पर दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान फायरिंग हुई। इस मामले को हर्ष फायरिंग के रूप में दर्शाए जाने, पिस्टल जब्त किए जाने और मुकदमा दर्ज होने की कार्रवाई भी चर्चा का विषय बनी रही। वहीं, बीते दिनों थाना क्षेत्र में दो ट्रकों की भिड़ंत में एक व्यक्ति की जान चली गई। अब सरवर आलमपुर में हत्या की वारदात ने पुलिस के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है।

मुश्किलें यहीं खत्म नहीं होतीं। कोरीखेड़ा हत्याकांड और कमाल खां मेले में हुई चोरी की घटना भी थाना प्रभारी के लिए पहले से ही चुनौती बनी हुई हैं। लगातार सामने आ रही घटनाओं के बीच क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता, अपराध नियंत्रण और गश्त व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जनता की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि पुलिस इन मामलों में कितनी प्रभावी कार्रवाई करती है।

दूसरी ओर थाना क्षेत्र में अवैध खनन का मुद्दा भी लगातार चर्चा में है। आरोप हैं कि थाना प्रभारी के कारखास बताए जाने वाले अंकुर और खनन माफिया अनिरुद्ध दीक्षित तथा बबलू खान के बीच गठजोड़ की चर्चाएं खुलेआम हो रही हैं। यदि पुलिस के उच्चाधिकारी निष्पक्ष और गोपनीय जांच कराएं तो इन चर्चाओं की वास्तविकता सामने आ सकती है।

थाना जहानगंज का पिछला रिकॉर्ड भी मौजूदा प्रभारी के लिए चिंता का विषय माना जा रहा है। यहां से लगातार तीन थाना प्रभारी निलंबित लाइन हाजिर हो चुके हैं। ऐसे में ब्रजमोहन पाल के सामने केवल अपराधियों पर शिकंजा कसने की चुनौती नहीं है, बल्कि थाने की कार्यप्रणाली और पुलिस की छवि सुधारने की जिम्मेदारी भी है।

क्षेत्र में एक और दिलचस्प चर्चा तारीखों को लेकर है। पुलिस स्तर पर कहा जाता है कि थाना में जी डी संख्या 8, 18 और 28 को की आमद अपशगुन होती है और 3,13और 23 को रवानगी अशुभ मानी जाती है संयोग देखिए कि ब्रजमोहन पाल की आमद रपट संख्या 28 को ही हो गई। कुछ लोग इसे अपशकुन से जोड़कर चर्चा कर रहे हैं,

बताया जा रहा है कि ब्रजमोहन पाल की थाना प्रभारी के रूप में यह पहली तैनाती है और उनकी सेवानिवृत्ति में भी अब कुछ ही वर्ष शेष हैं। ऐसे में उनके कार्यकाल की शुरुआत चुनौतियों से घिरी नजर आ रही है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ब्रजमोहन पाल इन चुनौतियों को अवसर में बदलकर अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगा पाएंगे क्या अवैध खनन की चर्चाओं पर विराम लगेगा और जनता के बीच पुलिस का भरोसा मजबूत होगा आने वाला समय ही इन सवालों का जवाब देगा।